बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 83 | शनिवार 15 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

भारत और फ्रांस का रिश्ता ऐतिहासिक: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

पीएम मोदी ने पेरिस में भारतीय समुदाय के लोगों को किया संबोधित
-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस की जनता को दी नेशनल डे की बधाई

नई दिल्ली। पेरिस के ला सीन म्यूजिकल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय समुदाय के बीच अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के नारे के साथ की। उन्होंने कहा कि आज का ये नजारा, ये दृश्य अपने आप में अद्भुत है। ये उत्साह अभूतपूर्व है। ये स्वागत उल्लास से भर देने वाला है। भारत माता की आवाज सुनकर ऐसे लगता है कि घर आ गया हूं। आप सभी का यहां आने के लिए हृदय से आभार। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता ऐतिहासिक है।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मैं इससे पहले भी कई बार फ्रांस आ चुका हूं लेकिन इस बार मेरा फ्रांस आना और भी विशेष है। कल फ्रांस का नेशनल डे है। मैं फ्रांस की जनता को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं फ्रांस के लोगों का हृदय से धन्यवाद करता हूं।

मोदी ने कहा कि आज दिन में प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न मुझे एयरपोर्ट पर रिसीव करने आई थीं और कल मैं अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ नेशनल डे परेड का हिस्सा बनूंगा। ये आत्मीयता सिर्फ दो देशों के नेताओं के बीच नहीं है बल्कि ये भारत-फ्रांस की अटूट दोस्ती का प्रतिबिंब है, रिफ्लेक्शन है।

उन्होंने यहां भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश से दूर जब मैं भारत माता की जय का आह्वान सुनता हूं, कहीं से आवाज आती है- नमस्कार तो ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हूं पर हम भारतीय जहां भी जाते हैं, एक मिनी इंडिया जरूर बना लेते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे आज बताया गया कि इस समारोह में बहुत लोग ऐसे हैं, जो 11-11, 12-12 घंटे सफर करके यहां पहुंचे हैं। इससे बड़ा प्यार क्या हो सकता है। हम जानते हैं कि टेक्नोलॉजी के जमाने में किसी के लिए भी घर बैठकर के मोबाइल फोन पर लाइव टेलीकास्ट सुनना तो मुश्किल काम नहीं है लेकिन उसके बावजूद भी इतनी बड़ी तादात में, इतने दूर से लोगों का आना, समय निकालकर आना... मेरे लिए तो एक बहुत बड़ा सौभाग्य का अवसर है कि मुझे आप सबके दर्शन करने का अवसर मिला है। मैं आप सभी का यहां आने के लिए हृदय से बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

मिशन चन्द्रयान-3 का किया प्रक्षेपण

चेन्नई। भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 का शुक्रवार अपराह्न दो बजकर 35 मिनट पर आंध्र प्रदेश के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र श्रीहरिकोटा के शार रेंज से प्रक्षेपण किया गया। इसरो अध्यक्ष ने प्रक्षेपण को सफल बताते हुए इसरो परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। करीब 3900 किलोग्राम के इस चन्द्रयान-3 के प्रक्षेपण के अवसर पर इसरो के वैज्ञानिकों के आलावा केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डा़ जितेन्द्र सिंह उपस्थित थे। मिशन तैयारी समीक्षा के बाद, प्रक्षेपण प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी जिसके बाद सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (एसडीएससी केंद्र) में प्रतिष्ठित मिशन की उलटी गिनती गुरुवार को भारतीय समयानुसार दोपहर दो बजकर 35 मिनट 17 सेंकेड पर शुरू हुई। इसरो के अनुसार 170 गुना 36500 किलोमीटर आकार की एलिप्टिक पार्किंग कक्षा में एकीकृत चंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान मॉड्यूल को प्रक्षेपित करने के लिए संगठन के सबसे भारी रॉकेट लॉन्च वाहन मार्क -3 (एलवीएम 3-एम 4) का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस 642 टन भार के साथ 43.5 मीटर लंबा प्रक्षेपण वाहन ने पूर्ण संतुलन के साथ आज दोपहर 2.35 बजे दूसरे लॉन्च पैड से धुएं और लपट छोड़ते हुए उड़ान भरी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह ट्विटर पर कई ट्वीट के माध्यम से जारी संदेश में कहा कि जहां तक ??भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का सवाल है, 14 जुलाई 2023 हमेशा सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा। चंद्रयान-3, हमारा तीसरा चंद्र मिशन, अपनी यात्रा शुरू करेगा। यह उल्लेखनीय मिशन हमारे देश

की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा।

श्री मोदी ने चंद्रयान-3 मिशन के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा, ÷मैं आप सभी से इस मिशन और अंतरिक्ष, विज्ञान और नवाचार में हमने जो प्रगति की है, उसके बारे में और अधिक जानने का आग्रह करता हूं। इससे आप सभी को बहुत गर्व महसूस होगा। इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ के कल बताया था कि चंद्रमा पर सूर्योदय होने पर तिथि (उतरने की तिथि) तय की जाती है। जब हम उतर रहे हों तो सूर्य की रोशनी अवश्य होनी चाहिए। इसलिए लैंडिंग 23 या 24 अगस्त को होगी।

जम्मू-कश्मीर में बिहार के 3 मजदूरों पर आतंकी हमला, तीनों का इलाज जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में गुरुवार को एक बार फिर आतंकियों ने बाहरी लोगों को अपना निशाना बनाया। बिहार के रहने वाले तीन प्रवासी मजदूरों को गोली मार दी। तीनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों की पहचान अनमोल कुमार, हीरालाल यादव और पिंटू कुमार ठाकुर के रूप में हुई है। इसकी जानकारी जम्मू पुलिस ने दी है। फिलहाल पुलिस और सुरक्षाबल ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश कर रही है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 10 जुलाई को प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन JKLF और हुर्रियत को फिर से एक्टिव करने के लिए काम कर रहे 10 आतंकियों को गिरफ्तार किया।

न्यायमूर्ति राव तेलंगाना हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति पोनुगोती नवीन राव को इसी उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

न्यायमूर्ति राव आज ही सेवानिवृत्ति हो जायेंगे और उनकी जगह न्यायमूर्ति अभिनंद कुमार शाविलि उनकी जगह न्यायाधीश बनेंगे। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से गुरुवार को जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। अधिसूचना के अनुसार न्यायमूर्ति राव की शुक्रवार की सेवानिवृत्ति के बाद वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभिनंद कुमार शाविलि उनकी जगह लेंगे। न्यायमूर्ति शाविलि के उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पद पर नियुक्ति की घोषणा इसी अधिसूचना में की गई है। गौरतलब है कि तेलंगाना के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां को पदोन्नत कर शीर्ष न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

सहमति से संबंध बनाने की उम्र कम की जाए, बॉम्बे हाईकोर्ट ने संसद को दी सलाह; कहा- कई देश ऐसा कर चुके

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सहमति से यौन संबंध बनाने की कानूनी उम्र सीमा को कम करने पर अहम सुझाव दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि कई देशों ने किशोर उम्र के लड़के और लड़कियों के लिए सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र कम कर दी है। अब समय आ गया है कि हमारा देश और संसद भी दुनियाभर में हो रही घटनाओं पर ध्यान दे और इस पर विचार करे। भारत में 1940 से 2012 तक सहमति से संबंध बनाने की उम्र 16 साल थी। पॉक्सो एक्ट के आने के बाद सहमति की उम्र बढ़ाकर 18 वर्ष कर दी गई, जो शायद विश्व स्तर पर सबसे अधिक उम्र में से एक है।

पॉक्सो के बढ़ते मामलों पर हाईकोर्ट ने चिंता जताई-हाई कोर्ट की जस्टिस भारती डांगरे की एकल पीठ ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम से जुड़े आपराधिक मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। जस्टिस डांगरे ने कहा, ÷यहां आरोपियों को तब भी दंडित किया जाता है, जब पीड़ित खुद कहते हैं कि वे सहमति से रिश्ते में थे।' जस्टिस डांगरे ने कहा कि 20 साल का कोई लड़का 17 साल और 364 दिन की लड़की के साथ यौन संबंध बनाता है, तो उसे उसके

साथ रेप करने का दोषी पाया जाएगा, भले ही लड़की ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया हो कि वह भी यौन संबंध में समान रूप से शामिल थी।

नाबालिग की सहमति से संबंध बनाने वाले युवक को रिहा किया-हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी 25 वर्षीय व्यक्ति दायर अपील पर की, जिसमें उसने एक विशेष अदालत के फरवरी 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। विशेष अदालत ने उसे 17 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म के लिए दोषी ठहराया था। लड़का और लड़की ने दावा किया था कि वे सहमति से रिश्ते में थे। जस्टिस भारती डांगरे ने विशेष अदालत के दोषसिद्धि के आदेश को रद्द कर दिया और आरोपी को बरी कर दिया और आरोपी को जेल से तत्काल रिहा करने का आदेश दिया।

सहमति से संबंध की उम्र को शादी की उम्र से अलग किया जाए

हाईकोर्ट ने कहा कि सहमति से संबंध की उम्र को शादी की उम्र से अलग किया जाना चाहिए। कई देशों में अलग-अलग कानूनों के जरिए सहमति की उम्र बढ़ाई गई है। अधिकांश देशों ने सहमति की उम्र 14 से 16 वर्ष के बीच है। जर्मनी, इटली, पुर्तगाल और हंगरी जैसे देशों में सेक्स के लिए सहमति देने में 14 साल की उम्र के बच्चों को सक्षम माना जाता है। लंदन और वेल्स में सहमति की उम्र 16 साल है और जापान में यह 13 साल है।

मुख्तार अंसारी का खास ख्याल रखने वाले जेलर वीरेन्द्र कुमार वर्मा सस्पेंड

लखनऊ। यूपी के बड़े माफिया मुख्तार अंसारी को बांदा जेल में हर मुमकिन सुविधा मूहैया कराने और गैरवाजिब ढंग से मदद पहुंचाने वाले जेलर वीरेन्द्र कुमार वर्मा पर आखिरकार ऐक्शन हो गया है। वीरेन्द्र कुमार वर्मा को सस्पेंड कर दिया गया है। यह ऐक्शन डीआईजी जेल प्रयागराज की जांच रिपोर्ट के आधार पर हुआ है। आरोप है कि वीरेन्द्र वर्मा जेल में मुख्तार अंसारी की मिलाई कराने से लेकर उसके लोगों द्वारा भेजी गई चीजों को उस तक पहुंचाने के काम में लगे हुए थे। बांदा जेल में जब तक उनकी तैनाती रही वह यह काम करते रहे।

बढ़ सकती हैं मुख्तार की मुश्किलें

उधर, मुख्तार अंसारी की मुश्किलें भी अब और बढ़ सकती हैं। बुधवार को बाराबंकी के एमपी-एमएलए कोर्ट में गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में उसकी और उसके गुर्गों की पेशी थी। गवाही के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्तार खुद पूरी कार्यवाही पर नजर रखे था।

2021 से बांदा जेल बंद है मुख्तार

मुख्तार अंसारी 2021 से बांदा जेल में बंद है। पिछले महीने वाराणसी की एमपी एमएलए कोर्ट ने उसे 32 साल पुराने अवधेश राय हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

पीएम मित्रा पार्क से मिलेगी सर्कुलर इकोनॉमी को तेजी : केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

नवसारी/सूरत। गुजरात के नवसारी जिले के वांसी-बोरसी गांव में 1141 एकड़ क्षेत्र में 'पीएम मित्रा पार्क' के निर्माण के लिए गुरुवार को सूरत की वीर नर्मद यूनिवर्सिटी के कन्वेंशन हॉल में आयोजित एमओयू समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में राज्य एवं केंद्र सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री पियूष गोयल ने कहा कि यहां विश्व स्तरीय 'प्लग एंड प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता के साथ ही प्रशिक्षण, अनुसंधान और

नवाचार का त्रिवेणी संगम सृजित होगा। यह पार्क टेक्सटाइल क्षेत्र की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर निर्यात को और गति देगा। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क एक अनूठा औद्योगिक मॉडल बनेगा, जहां केंद्र और राज्य सरकारें कपड़ा उद्योग में निवेश बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहन देने, रोजगार के अवसर पैदा करने और भारत को कपड़ा उत्पादन एवं निर्यात के लिए ग्लोबल हब बनाने के लिए साथ मिलकर काम करेंगी। इस पार्क में उद्योग प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत दिए जाने वाले सभी लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात लॉजिस्टिक, नेशनल स्टार्टअप रैंकिंग, सुशासन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी व्यापार सुगमता तथा एक्सपोर्ट इंडेक्स जैसे क्षेत्रों में अव्वल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बनाने का संकल्प किया है। दुनिया के सबसे पुराने उद्योगों में से एक कपड़ा उद्योग ने वर्तमान समय के अनुरूप और भविष्य के साथ तालमेल बिठाने के लिए आधुनिकीकरण का मार्ग चुना है। उन्होंने कहा कि नवसारी जिले की जलालपोर तहसील के वांसी-बोरसी में 1141 एकड़ में आकार लेने वाला मेगा इंटीग्रेटेड अपैरल पार्क दक्षिण गुजरात सहित समूचे राज्य में रोजगार के नए अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ गुजरात के टेक्सटाइल उद्योग को और तेजी देगा। गुजरात के कपड़ा उद्योग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के कुल निर्यात में गुजरात दूसरे स्थान पर है। देश के डेनिम कपड़े का 60 से 70 फीसदी उत्पादन अकेला गुजरात करता है, जो पूरे देश में प्रथम और दुनिया में तीसरे स्थान पर है।

दिल्ली में आईटीओ और राजघाट समेत कई रास्ते बंद, किन सड़कों पर चलना अब भी मुश्किल

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी में आई ऐतिहासिक बाढ़ की चलते से आईटीओ, लालकिला, कश्मीरी गेट, राजघाट समेत इलाकों में आज भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। यमुना ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सुबह सुबह 8 बजे यमुना नदी का जलस्तर 208.44 मीटर दर्ज किया गया। यमुना के जलस्तर में आज मामूली कमी जरूर आई है, लेकिन खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है। सड़कों पर कई फुट तक बाढ़ का पानी जमा होने से जगह-जगह जाम देखा जा रहा है। इन रास्तों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया है। इनमें रिंग रोड, निगम बोध घाट, यमुना बाजार, मोनेस्ट्री मार्केट और भैरों मार्ग समेत कई सड़कों पर यातायात प्रभावित हो रहा है। पुलिस द्वारा लोगों को इन रास्तों पर नहीं जाने की सलाह दी गई है। यमुना का जलस्तर में भले ही मामूली कमी आई है, लेकिन राजघाट और आईटीओ के आसपास पानी का बहाव काफी तेज हैं। सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चल रहे हैं और राजघाट के अंदर भी पानी घुस गया है। गुरुवार को अधिकतर इलाकों में यातायात

बहुत धीमा रहा तथा यात्रियों को अपने गंतव्यों पर पहुंचने में बहुत परेशानी हुई।

दिल्ली में जल कर्फ्यू से कारोबारियों को 200 करोड़ से ज्यादा की चपत, ये इलाके रहे अधिक प्रभावित-यमुना में आए उफान के बाद सड़कों पर पानी भरने से आईटीओ, राजघाट, लालकिला, कश्मीरी गेट, बाहरी रिंग रोड, वजीराबाद, विकास मार्ग एवं महात्मा गांधी रोड पर कालीघाट से दिल्ली सचिवालय के बीच आज भी यातायात बाधित हो सकता है। इन रास्तों के बंद होने पर उत्तर से दक्षिण जाने के लिए बाहरी रिंग रोड, वजीराबाद पुल, यमुना बांध मार्ग, पुस्ता रोड और विकास मार्ग का रास्ता लिया जा सकता है। इसके अलावा बाहरी रिंग रोड, अरिहंत मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग होते हुए भी विकास मार्ग पहुंचा जा सकता है। पूर्व से पश्चिम दिशा में जाने वाले वाहन चालक पंजाबी बाग चौक से महात्मा गांधी मार्ग, अरिहंत मार्ग, बाहरी रिंग रोड होते हुए वजीराबाद पुल के रास्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इन रास्तों पर है अधिक परेशानी

- राजघाट, शांतिवन, यमुना बाजार और आईटीओ के आसपास पानी का बहाव काफी तेज होने से सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चल रहे हैं।

- यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली में आईटीओ रोड पर जलभराव होने से लोगों को भारी ट्रैफिक जाम हो गया है, जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

- राजघाट और शांति वन इलाके में सड़क पर भारी जलभराव की स्थिति से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सकारात्मक ऊर्जा की स्रोत है सावन शिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 जुलाई शनिवार को रात 8.32 बजे से शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 16 जुलाई की रात 10.08 बजे होगा। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व

भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

और प्रगाढ़ होंगे रिश्ते

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हो चुके हैं। आज फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस बास्टील डे के अवसर पर वह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। फ्रांस ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आमंत्रित किया है। इससे पता चलता है कि भारत का वैश्विक कद काफी बढ़ रहा है। इससे पहले मोदी की सफल अमेरिका यात्रा हुई थी। फ्रांस के साथ भारत के शुरू से ही अच्छे संबंध रहे हैं। कह सकते हैं कि फ्रांस रूस की तरह भारत का भरोसेमंद द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदार है। पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब दोनों देश द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी का रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि मोदी की यात्रा से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार मिलेगा। भारत और फ्रांस के बीच मधुर रिश्तों की बड़ी वजह यह भी है कि दोनों किसी बाहरी दबाव में आये बिना आमने-सामने राष्ट्रीय हितों के अनुकूल विदेश नीति का संचालन करते हैं। गौर करने वाली बात है कि नाटो का सदस्य होने के बावजूद फ्रांस ने कई बार वैश्विक मामलों में ब्रिटेन और अमेरिका से अलग राह पकड़ी है। 1998 में अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार ने जब पोखरण में दूसरा परमाणु परीक्षण किया तब उसे गंभीर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा था। ऐसे में फ्रांस ने इस प्रतिबंध का मुखरता से विरोध किया था। कश्मीर के मामले में ही नहीं, भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता दिलाने के प्रस्ताव पर भी वह नई दिल्ली का समर्थन करता है। अभी रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भी फ्रांस ने भारत की तरह काफी संतुलित रुळख अपनाया है। रक्षा के क्षेत्र में भारत और फ्रांस काफी करीब हैं। 2018 और 2022 के दौरान फ्रांस रूस के बाद भारत को रक्षा सामग्री मुहैया कराने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। यूक्रेन संघर्ष से भारत को भी कुछ सीखने का मौका मिला है। वह रूस पर रक्षा सामग्री की निर्भरता कम करना चाहता है क्योंकि युद्ध के लंबा खिंचने से रूस भारत को पर्याप्त मात्रा में रक्षा उत्पाद मुहैया नहीं कर पा रहा। इस कमी को फ्रांस पूरा करेगा। मोदी फ्रांस के उद्योगपतियों और कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात कर उन्हें भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित करेंगे। कह सकते हैं कि मोदी की यात्रा से दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और ऊंचाई मिलेगी।

बढ़ते साइबर अपराध, सरकार और साइबर क्राइम विभाग की चुप्पी

सनत जैन

बच्चे से लेकर बड़े तक सभी इंटरनेट का उपयोग करने विवश हैं। इंटरनेट के माध्यम से वेबसाइट और ऐप के माध्यम से बड़े पैमाने पर अपराध हो रहे हैं। अपराधों को रोकने के लिए सरकारी स्तर पर कोई प्रयास नही किए जा रहे हैं। नाही देश का साइबर क्राइम विभाग, अपराधियों को नियंत्रित करने मे कोई प्रभावी कार्यवाही कर पा रहा है। जिसके कारण युवा-युवती, माता-पिता भी सामूहिक आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहे हैं। पुलिस अपराधों की रिपोर्ट दर्ज करके,अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड लेती है। सरकार ने भारतीय नागरिकों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। पिछले एक दशक में बड़े पैमाने पर देश में आत्म हत्या करने वालों की संख्या बढ़ रही है। पहले आत्महत्या कोई एक व्यक्ति अपने निजी कारणों से करता था। लेकिन अब पूरा परिवार सामूहिक आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहा है। इसके बाद भी क्राइम विभाग, पुलिस, साइबर क्राइम, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की चुप्पी हैरान करने वाली है। जब सरकार एक ओर कानून बनाकर ऑनलाइन लेनदेन, ऑनलाइन पढ़ाई, ऑनलाइन परीक्षाएं,ऑनलाइन ठे-के, ऑनलाइन रिटर्न भरने, और ऑनलाइन कारोबार करने की बाध्यता नागरिकों पर डालकर इंटरनेट से संचालित होने वाले पोर्टल और ऐप का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है। ऐसी स्थिति में सरकार की भी जिम्मेदारी होती है,कि वह अपने नागरिकों को धोखाधड़ी और अपराधों से बचाने के लिए सजग हो। नागरिकों को कानूनी और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करे। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन ठगी बड़े पैमाने पर देशभर में हो रही है। लाखों मामले बड़े पैमाने पर उजागर हो चुके हैं। सामान्य आदमियों को लूट का शिकार बनाया जा रहा है। इंटरनेट पर ऐसे बहुत से ऐप हैं, जहां पर अश्लीलताके नाम पर धोखाधड़ी की जा रही है। धोखाधड़ी कर लोगों को सरेआम ठगा जा रहा है। इसी तरह से लोन के बहुत सारे ऐप चल रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई के इस दौर में बिना गारंटी के लोन के चक्कर में फंसकर पूरा परिवार आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहा है। सरकार और उसके अधिकारी सत्ता और अधिकारों के मद में मस्त होकर, आम जनता को लुटने-पिटने और मरने के लिए छोड़ दे रहे हैं। रोजाना आत्महत्या के मामले अखबारों में प्रकाशित होते हैं। एक ही जिले में कई आत्महत्या के मामले रोजाना सामने आते हैं। सामाजिक और धार्मिक संगठनों में कार्य करने वाले समाजसेवी भी इतने असंवेदनशील हो गए हैं,कि उन्हें इन सब से कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है। राजनीतिक दलों और धार्मिक गुरु जो आमजनों का नेतृत्व करते हैं। इतने बड़े पैमाने पर हो रही आत्महत्या के बाद भी, वह चुप्पी साध कर बैठे हुए हैं। कहा जाता है,मानव जीवन बहुत मुश्किल से मिलता है। भारत जैसे सनातन धर्म के इस देश में यही मानव जीवन लोग आत्महत्या करके समाप्त कर रहे हैं। भारत जैसे देश में इसको लेकर कोई भी क्रिया और प्रतिक्रिया नहीं होना, सबको आश्चर्यचकित कर रहा है। भोपाल में हाल ही मे एक परिवार के मुखिया को ऑनलाइन नौकरी के बहाने कर्ज के जाल में फंसाया गया। अपराधियों ने लाखों रुपए ब्याज एवं जुमार्ने के रूप में वसूल लिए। मामूली लोन अमाउंट पर तरह-तरह के शुल्क और जुमार्ना लगाकर लाखों रुपए की वसूली करने के बाद भी जब उसके पास पैसे देने के लिए नहीं बचे, तो उसके मोबाइल फोन पर जो कांटेक्ट लिस्ट थी। उस पर उसे बदनाम करने के लिए अश्लील फोटो और कर्ज वसूल करने के लिए उसके दोस्तों और रिश्तेदारों पर दबाव बनाकर सभी के बीच उसे बदनाम कर दिया। फलस्वरुप उस परिवार का जीवन जीना संभव नहीं रहा। उसने बच्चों और पत्नी के साथ सामूहिक आत्महत्या कर ली। यह पहला प्रकरण नहीं है। इसके पहले भी हजारों इसी तरीके के मामले सामने आ चुके हैं। सरकार अपनी कमाई के लिए इस तरह के ऐप को बढ़ावा देती है। इनको रोकने के लिए सरकार ने कोई कानून नहीं बनाए। ऑनलाइन जुए के कई ऐप पिछले कई महीनों से चल रहे हैं। टीवी पर सेलिब्रिटी ऑनलाइन जुआ खेलने का प्रचार कर रहे हैं। लोग जुआ खेल रहे हैं। कर्ज में जा रहे हैं। चोरी लूट की वारदात बढ़ गई हैं। ऑनलाइन जुए में हारने के बाद पूरे परिवार को आर्थिक संकट में डालकर खुद आत्महत्या करने के लिए लोग विवश हो रहे हैं। वाह-री सरकार जुए के ऐप को बंद करने की बजाय उस पर 28 फीसदी टैक्स लगाकर, सरकार कमाई करना चाहती है। जब सरकार का यह रुख हो। तब तो आम जनता का भगवान ही मालिक है। बिना तैयारी के सरकार ने सबको ऑनलाइन लेनदेन के लिए विवश कर दिया। बिना सुरक्षा दिए,ऑनलाइन कारोबार और सेवाओं के नाम पर लोगों को उनके हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया है। यह भारत में ही संभव हो सकता है। भारत में सरकार, न्यायालय, पुलिस और संबंधित विभाग जिस तरह से गैर जिम्मेदारी का परिचय दे रहे हैं। यह आश्चर्य करने वाली बात है। कभी हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट इस तरह के मामलों में संज्ञान लेकर सरकार को नियंत्रित करने का काम करती थी। लेकिन अब हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट की चुप्पी जनता को हैरान कर रही है। सरकार के सामने एक तरह से न्यायलयों ने समर्पण कर दिया है। वहीं जनहित याचिकाओं में भी अब हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट भारी भरकम जुमार्ना लगाकर अदालत की देहरी पर भी नहीं चढ़ने दे रही हैं। इससे आम नागरिक व्यथित हैं। अपने कर्म का भाग्यफल मानकर चुपचाप बैठने और मरने के अलावा अब लोगों के पास शायद कोई चारा भी नहीं बचा है।

जलभराव : तबाही, कुदरत का कहर या मानव जनित

रजनीश कपूर

इंद्र देव के कहर के कारण देश के उत्तरी भाग से काफी दर्दनाक दृश्य सामने आए। हर तरफ से तबाही के विचलित करने वाले दृश्यों को देख मन में यही सवाल उठा कि इस साल मानसून से जो हाल हुआ क्या वो वास्तव में प्राकृतिक आपदा है? क्या इस तबाही के पीछे इंसान का कोई हाथ नहीं? क्या भ्रष्ट सरकारी योजनाओं के चलते ऐसा नहीं हुआ? कब तक हम ऐसी तबाही को कुदरत का कहर मानेंगे?

बीते सप्ताह जब देश के उत्तरी भाग से वर्षा के कारण होने वाली तबाही के दृश्य सामने आए तो हर किसी के मन में ऐसे ही कुछ सवाल उठे। क्या ऐसी तबाही को रोका जा सकता है? क्या तबाही के लिए अधिक वर्षा ही जिम्मेदार है? विकास के नाम पर पर्यावरण की होने वाली तबाही को किस हद तक जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? सरकार द्वारा बनाई जाने वाली सभी विकास की योजनाएं क्या पर्यावरण के संतुलन के हिसाब से बनती हैं?

दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों का जो हाल हुआ उससे तो सभी अचंभे में हैं। जगह-जगह जलभराव के कारण लंबे ट्रैफिक जाम ने पूरी व्यवस्था की जो पोल खोली उससे तमाम सवाल उठते हैं। जलभराव से निपटने के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर चलाई जाने वाली योजनाओं को क्या पूरी गुणवत्ता से पूरा किया जाता है? क्या नगर निगम या लोक निर्माण विभाग के अधिकारी अपना काम पूरी जिम्मेदारी से करते हैं? क्या सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित मंत्री इन कार्ययोजनाओं की जांच करते हैं, या फीता काटने और श्रेय लेने का ही काम करते हैं? सभी जानते हैं कि इन सभी सवालों का जवाब 'नहीं' में मिलेगा। दिल्ली में लगने वाले जाम के लिए केवल जलभराव ही जिम्मेदार नहीं था। जलभराव के कारण डीटीसी की कई बसें भी बिगड़ी हुई दिखाई दीं, जो कई जगह ट्रैफिक जाम की आग में घी का काम कर रही थीं। इन बसों के रखरखाव में होने वाले भ्रष्टाचार को इसका कारण क्यों न माना जाए? प्रायः देखा गया है कि डीटीसी की बसें वर्षा के कारण होने वाले जलभराव में अक्सर बिगड़ कर फंस जाती हैं। इसका सीधा मतलब हुआ कि इन बसों का नियमित रखरखाव सही ढंग से नहीं हो रहा। ऐसे में हमें ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ही जाम के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। झमाझम बरसते बादलों के बावजूद दिल्ली जैसे कई अन्य शहरों में पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी करते दिखाई देते हैं।

हिमाचल प्रदेश और अन्य पहाड़ी इलाकों में जिस तरह की तबाही के मंजर दिखे उनने तो सरकारी योजनाओं की पोल ही खोल कर रख दी। विकास के नाम पर होने वाले पर्यावरण के विनाश की लीला कई सालों से चलती आई है। इसके लिए हर वो सरकार जिम्मेदार है, जिसने निहित स्वार्थों के चलते पर्यावरण की परवाह किए बिना 'विकास' की बेतरतीब योजनाएं बना डालीं। इन भ्रष्ट योजनाओं के कार्यान्वयन में भी अत्यधिक भ्रष्टाचार हुआ। इसी का नतीजा रहा कि हर साल साधारण वर्षा में ही सड़कें बुरी तरह तहस-नहस हो गइ। फिर तेज वर्षा के कारण ऐसे निमार्णों का क्या हाल होगा इसका अंदाजा तो कोई भी लगा सकता है। आज से कुछ साल पहले जब मैं सिंगापुर में था तो वहां के जल निकाय प्रबंधन को देख कर प्रसन्नता हुई। सिंगापुर में मेरे मेजबान ने एक दिन मुझे वहां के पब्लिक ट्रांसपोर्ट से घूमने का आग्रह किया। हमने तय किया कि हम एक दिन वहां की बसों और मेट्रो में घूमेंगे। सुबह-सुबह हम दोनों अपना-अपना छाता लेकर नजदीकी बस स्टॉप पर पहुंच गए। कुछ ही समय में मूसलाधार बारिश हुई। सिंगापुर के बस स्टॉप ने हमें भीगने नहीं दिया। परंतु जिस तीव्रता से वर्षा हुई, यदि भारत का कोई भी शहर होता तो घुटने-घुटने पानी भर जाता। लेकिन सिंगापुर में ऐसा नहीं हुआ। देखते ही देखते सड़क के किनारे बनी साफ-सुथरी नालियों ने पानी को इस कदर खींच लिया मानो कुछ हुआ ही नहीं। मैंने इस पर अपने स्थानीय मित्र से पूछा तो उन्होंने बताया कि यहां पर बारिश आम बात है, इसलिए न सिर्फ यहां रहने वाले, बल्कि यहां की सरकार भी हर तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती है। इसीलिए आपको सिंगापुर में कभी भी जलभराव नहीं मिलेगा।

जिस तरह हमने विदेशों से कई अच्छी आदतें सीखी हैं, उसी तरह यदि हम जलभराव जैसी स्थितियों से निपटने के लिए भी तैयार हो जाएं तो ऐसी समस्याएं नहीं झेलनी पड़ेंगी। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को भी बचाया जा सकेगा। परंतु जैसे हर जगह लालच के चलते भ्रष्टाचार ने अपने पांव पसारे हैं, उसने न सिर्फ देशवासियों को संकट में डालने का काम किया है, बल्कि दुनिया भर में हमारा सर भी नीचा किया है। इसलिए किसी विकास योजना को बनाने से पहले उससे होने वाले नुकसान का जायजा लेना भी अनिवार्य है वरना ऐसे मंजर हमें बार-बार देखने को मिलेंगे और हम इन्हें कुदरत का कहर मान मौन बैठे रहेंगे।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है-स्नातक।

एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

सीएम ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल

अचानक मेरठ पहुंचे, हाथ जोड़कर किया अभिवादन, योगी-योगी के नारे गूंजे

मेरठ। सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम काफिले के साथ अचानक मेरठ पहुंच गए। मोदीनगर में योगी ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। इस दौरान योगी-योगी के नारे लगने लगे। सीएम ने मुस्कराते हुए हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। करीब 8-10 मिनट बाद सीएम रवाना हो गए। इससे पहले हेलिकॉप्टर से प्रशासन, पुलिस के वरिष्ठ अफसर आसमान से कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए। मेरठ से बरनावा तक की सड़क फूलों से लद गई। यूपी में योगी सरकार आने के बाद लगातार हर साल कांवड़ यात्रा में कांवड़ियों पर फूल बरसाए जाते हैं। कुछ दिन पहले वाराणसी में भी अफसरों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की थी। मेरठ पुलिस लाइन से कमिश्नर, आईजी, डीएम और एसएसपी हेलिकॉप्टर से जाएंगे। जिले और जनपद की सीमाओं में कांवड़ यात्रा का हवाई सर्वेक्षण किया गया। इसके बाद पुष्पवर्षा हुई। डीएम और एसएसपी मेरठ जिले में कांवड़ियों का स्वागत हेलिकॉप्टर से फूल बरसा कर किया। पुलिस लाइन, बेगमपुल, सिवाया टोल, मटौर, सकौती, दादरी, खतौली, सलावा, नानू पुल, पूठखास पुल, जानी पुल, निवाड़ी, मोहिद्दीनपुर, परतापुर इंटरचेज, सुभारती,क कंकरखेड़ा फ्लाईओवर होते हुए औघड़नाथ मंदिर पर हेलिकॉप्टर फूल बरसाते हुए गया। पहले मेरठ में बेगमपुल, सिवाया टोल, दादरी, सलावा, नानू पुल, पूठखास पुल, जानी पुल, कंकरखेड़ा फ्लाईओवर और औघड़नाथ मंदिर में फूल बरसाएंगे। इसके बाद बागपत में पुलिस लाइन से रेलवे क्रासिंग, बरनावा पुलिस चौकी, गल्हैता गांव ओर पुरामहादेव मंदिर में पुष्पवर्षा हुई। मेरठ में शिवरात्रि के लिए औघड़नाथ मंदिर को सजाया गया है। वेस्ट यूपी का यह बड़ा मंदिर है, हरिद्वार से जल लेकर निकले कांवड़िए अब औघड़नाथ मंदिर पहुंच रहे हैं, यहां कल शिवरात्रि पर भोले नाथ का कांवड़िए जलाभिषेक करेंगे। जलाभिषेक के लिए मंदिर समिति ने यहां तमाम व्यवस्थाएं की हैं। मंदिर में सीसीटीवी लगाए गए हैं। साथ ही जलाभिषेक की व्यवस्था की गई है। मंदिर में कंट्रोलरूम भी बनाया गया है।

वाहन चोर गैंग के 8 आरोपी अरेस्ट: कई जिलों में चोरी की घटनाओं को देते थे अंजाम, चोरी के 8 वाहन भी बरामद

अलीगढ़ । सासनीगेट पुलिस ने शुक्रवार को अंतर जनपदीय वाहन चोर गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने गैंग के 8 सदस्यों को गिरफतार कर लिया है और उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए 8 वाहन भी बरामद किए हैं। आरोपियों ने यह वाहन अलीगढ़ व आसपास के जिलों से चोरी किए थे और इसका इस्तेमाल कर रहे थे। इसके बाद यह मौका देखते ही इसे बेंचने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपियों के ऊपर छापेमार कार्रवाई की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सासनीगेट पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत आरोपियों पर कार्रवाई की है और अंडला के पास से इन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 6 मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं, जिसमें 5 स्पलैंडर और 1 पैशन प्रो है। जबकि 2 एक्टिवा स्कूटर बरामद किया गया है। आरोपियों ने बताया कि वह अलीगढ़ के साथ मथुरा, बुलंदशहर, हाथरस से वाहनों की चोरी करते थे और फिर इसे दूसरे जनपद में बेंच देते थे। जब तक इसकी बिक्री नहीं होती थी, वह खुद ही इन वाहनों को चलाते थे। वह किसी के पकड़ में न आए, इसके लिए वह वाहनों के नंबर बदल देते थे। जिससे कि कोई उन्हें पकड़ न सके। गैंग के सभी आरोपी अलीगढ़ के ही रहने वाले हैं। इसमें पुलिस ने अमित पुत्र नोबत सिंह निवासी जरारा थाना खैर, आकाश पुत्र जसवन्त सिंह निवासी गांव जरारा, ललित पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी गांव जरारा, लवकुश उर्फ लवली पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी जरारा, चन्द्रशेखर उर्फ चन्दू पुत्र जसवन्त सिंह निवासी जरारा, किशन पुत्र राजपाल निवासी अरनी थाना बरला, प्रदीप पुत्र जयप्रकाश निवासी अरनी और हेमन्त कुमार पुत्र नरोत्तम सिंह निवासी विहारी नगर थाना सासनी गेट को गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे इनके आगे के नेटवर्क का भी पता चल सके। जिसके बाद इनसे वाहन खरीदने वालों पर भी कार्रवाई की जा सके। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में एसआई सतबंत सिंह, एसआई जगदीश कुमार, एसआई संदीप कुमार, हेड कांस्टेबल शशि कपूर, कांस्टेबल कोमल सिंह, महेश चंद्र, विपिन कुमार, आशू कुमार और प्रशांत कुमार शामिल रहे।

आगरा में दो मकानों में चोरी: मेन गेट की कुंडी तोड़कर घर में घुसे चोर

आगरा । ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस वन के बी ब्लॉक स्थित दो मकानों में गुरुवार रात को अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। एक मकान के मुख्य द्वार की कुंडी तोड़कर चोर घर के अंदर घुसे और ऊपर स्थित 2 कमरों तक पहुंचे। दोनों कमरों की कुंडी को भी चोरों ने तोड़ दिया और अंदर रखा हुआ सारा माल लेकर फरार हो गए। सुबह जब मकान में रहने वाले शुभम का चचेरा भाई राहुल करीब 9 बजे घर पहुंचा, तब उसे इस चोरी के बारे में जानकारी हुई। इसके बाद उसने अपने परिजनों और पुलिस को इस घटना की सूचना दी। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। ट्रांस यमुना फेस वन में बी 452 के रहने वाले शुभम की पत्नी मंजू गर्भवती थी और उसकी डिलीवरी होनी थी। ऐसे में मकान में रहने वाले शुभम की दादी खिल्लो देवी, शुभम और उसकी पत्नी तीनों लोग गुरुवार शाम को घर में ताला लगाकर लेडी लॉयल पहुंच गए थे। घर में कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था। जिसका फायदा उठाकर चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। शुक्रवार सुबह 9 बजे शिवम का चचेरा भाई राहुल घर आया तो उसने मुख्य दरवाजे की कुंडी टूटी हुई देखी। ऐसे में उसने आसपास के लोगों को जानकारी दी। दो-तीन लोगों के साथ वह ऊपर गया तो उपस्थित दोनों कमरों की कुंडी भी टूटी हुई थी। दरवाजे खुले हुए थे और कमरे में सामान बिखरा हुआ था।

नगरपालिका अध्यक्ष ने महा सफाई अभियान को दिखाई हरी झंडी

संवाददाता

धामपुर। नगरपालिका धामपुर में चलने वाले नगर सफाई महाअभियान को नगर पालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 जुलाई से 21जुलाई 2023 तक विशेष नगर महा सफाई अभियान चल रहा है। सफाई अभियान के अन्तर्गत बड़ी मंडी धामपुर से सफाई अभियान का शुभारंभ किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के आह्वान पर 14 से 21 जुलाई तक विशेष नगर महा सफाई अभियान चल रहा है। जिसको देखते हुए धामपुर नगर में सफाई अभियान प्रारंभ किया गया है। और नगरपालिका धामपुर मे सफाई कराकर धामपुर नगर को साफ स्वच्छ करने का हमारा लक्ष्य है

।और धामपुर नगर वासियों से मेरा निवेदन है कि अपने घर का कचरा बाहर ना फेंके कचरे की गाड़ी आने पर ही कचरा गाड़ी में डाले। ओर धामपुर नगर को साफ स्वस्थ रखने में नगरपालिका धामपुर का सहयोग करें । महासफाई अभियान में ईओ सुभाष कुमार ,पुष्पेंद्र सक्सेना, ऋषभ जैन, निखिल जैन ,संजय अग्रवाल, अजय अग्रवाल, ओमजीत पवार , आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर बाढ़ पीड़ितों से मिले सीएम योगी

अफसरों के साथ स्थितियों का जायजा लिया, राहत शिविर में बांटी खाद्य सामग्री

संवाददाता

सहारनपुर। सीएम योगी शुक्रवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे किया। चिलकाना में पीड़ितों को बाढ़ राहत सामग्री वितरित की। जैन कालेज में बने बाढ़ राहत शिविर में भी पीड़ितों से मुलाकात की। इसके बाद पुलिस लाइन में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की। जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'सहारनपुर में मूसलाधार बारिश के कारण हिंडन, पांव धोई और ढमोला नदी के कारण बाढ़ और जलभराव हो गया। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के मिलकर लगाए गए राहत शिविरों का निरीक्षण किया है। अतिवृष्टि के कारण उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और वेस्ट यूपी के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई।' उन्होंने कहा, 'हथिनी कुंड बैराज से छोड़ गए पानी से यमुना नदी बाढ़ की स्थित आई है। लेकिन अब राहत है। सहारनपुर में कुल 118 गांव, शहर के 28 मोहल्ले जलभराव की चपेट में आए थे। इसमें लगभग 2.75 लोग प्रभावित

हुए। 13 हजार हेक्टेयर भूमि कृषि की बाढ़ की चपेट में आई है। सात जन हानि और तीन पशु हानि हुई है। कुछ ज्यादा और कुछ आंशिक रूप से प्रभावित हुए है। राहत सामग्री के पैकेट बांटे गए है। जिनमें 10-10 किलो आटा और चावल, दाल, मसाले और 10 किलो आलू बांटे गए है। जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए है, उनको मुआवजे के साथ ही बरसाती देने के निर्देश दिए गए है। जिन लोगों की जान गई है। उनके परिवारों को 4-4 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। राहत शिविर में रहने वाले लोगों को खाने-पीने के निर्देश दिए गए है। यदि बिच्छू, सांप और अन्य कीड़े काटे जाने पर एंटी ऐनम वैक्सीन और रेबीज के इंजेक्शन लगाए जाने की व्यवस्था की जाएगी। सावन के पवित्र मास में कांवड़ भी जोरों पर है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चार करोड़ कांवड़िये जल हरिद्वार से उठाकर 17 जुलाई को जलाभिषेक करेंगे। उनकी सुरक्षा के लिए व्यवस्था की गई है। कांवड़ियों की हर प्रकार की सुविधा का ध्यान किया जा रहा है। कल पुष्प वर्षा भी कांवड़ियों पर कराई जाएगी।' सीएम अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत राजकीय विमान से ठीक 1.17 बजे वायु सेना स्टेशन सरसावा में पहुंचे। वहां से हेलीकाप्टर से चिलकाना पहुंचे। सुल्तानपुर चिलकाना के मंडी परिसर में मौजूद बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि वितरित की। मंडी परिसर में करीब 10 मिनट तक रुके। इस दौरान उन्होंने बच्चों को चाकलेट भी दिए। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजकीय हेलिकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित इलाके का हवाई निरीक्षण किया। बाढ़ इलाके का भ्रमण करने के बाद सीएम सहारनपुर स्थित पुलिस लाइन पहुंचे। कार में बैठकर लंबे काफिले के साथ जैन कालेज में बनाए गए राहत शिविर में पहुंचे। जहां सहारनपुर महानगर में आई बाढ़ से प्रभावित 117 लोग ठहराए गए हैं। जल शक्ति एवं बाढ़ मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सांसद कैराना प्रदीप चौधरी, नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी, नगर विधायक राजीव गुंबर, महापौर डज्ञ. अजय कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष डा. महेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष राकेश जैन आदि साथ रहे। प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि जिले में बाढ़ से 118 गांव और शहर की 28 कॉलोनी प्रभावित हुए हैं। 13 हजार हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई है। बाढ़ से 2.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। सात लोगों की जान गई है। जिनकी जान गई हैं, उनके परिजनों को चार चार लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, जिले के पौने तीन लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जिन्हें राशन किट बांटी जा रही हैं। सहारनपुर में 8 जुलाई से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश से यमुना समेत तमाम नदियों में उफान है। जिले में करीब 40 कॉलोनियां भारी जल भराव के चलते बाढ़ की चपेट में हैं। लोगों को घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। सीएम दोपहर 1.15 बजे वायुयान द्वारा सरसावा एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां से हेलिकॉप्टर द्वारा जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया। सहारनपुर पुलिस लाइन में 1.30 बजे आए। 1.40 बजे उन्होंने जेवी जैन डिग्री कॉलेज में बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। आवास विकास के बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों के साथ बैठक की। वहीं भाजपा के कुछ पदाधिकारी भी पुलिस लाइन में मौजूद हैं, जिसमें देवबंद से विधायक एवं मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, विधायक कीरत सिंह शामिल है।

संक्षिप्त डायरी

मुख्यमंत्री ने आकाशीय बिजली की घटनाओं में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद गाजीपुर की तहसील कासिमाबाद में आकाशीय बिजली की घटनाओं में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को नियमानुसार अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने आकाशीय बिजली गिरने से घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के भी निर्देश दिए हैं। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के अनुसार प्रदेश के जनपद गाजीपुर की तहसील कासिमाबाद के ग्राम भदेसर एवं ग्राम चक दरिया में आकाशीय बिजली गिरने से 01-01 तथा ग्राम माटा में 02 महिलाओं की मृत्यु हो गयी। ग्राम पहाड़पुर तोफिरे में आकाशीय बिजली की घटना में 01 व्यक्ति घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी। ग्राम माटा में हुई आकाशीय बिजली की घटना में 02 व्यक्ति घायल भी हुए हैं।

जूते का सोल बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग: शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा, लाखों का माल और मशीन जलकर राख

नोएडा। थाना फेस 1 सी-90 सेक्टर-8 में की एक फैक्ट्री में आग लग गई। फैक्ट्री जूतों के लेमिनेशन फॉर्म की है। यहां जूतों के सोल भी बनते है। आग फैक्ट्री के फर्स्ट फ्लोर पर लगी। आग की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। मौके पर एक के बाद 6 दमकल की गाड़ियां पहुंची जिन्होंने आग पर काबू पाया। इस दौरान जन हानि नहीं हुई। फर्स्ट फ्लोर पर जूतों साले बनाने वाला चमड़ा और उसके रोल रखे थे। यहां सोल की कटिंग की जाती थी। इसलिए केमिकल और चमड़ा दोनों ही फर्स्ट फ्लोर पर थे। यहां शॉट सर्किट हुआ और तेजी से आग फैल गई। इस दौरान कंपनी के गार्ड ने पुलिस और दमकल विभाग को जानकारी दी। फैक्ट्री में सभी लोग ग्राउंड फ्लोर पर थे। इसलिए वो बाहर आ गए। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान लाखों का मॉल और मशीनरी जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि फैक्ट्री के अंदर कोई फंसा नहीं अन्यथा जन हानि हो सकती थी। आग को बुझाने में करीब दो घंटे का समय लग गया। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि चमड़ा होने की वजह से काला धुंआ बहुत ज्यादा था। ये सुलग भी रहा था। इसलिए आग बुझाने में थोड़ा समय लगा। आग तेज थी इसलिए सावधानी के तौर पर आस पास की कंपनी के लोगों को भी बाहर कर दिया गया था।

इंडो-नेपाल सीमा पर करोड़ों की ज्वेलरी के साथ 3 गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। हैदराबाद से पांच करोड़ की चोरी कर भागे तीन नेपाली नागरिकों को एसएसबी ने विदेशी मुद्रा सहित लाखों रुपए कैश और ज्वैलरी के साथ पकड़कर हैदराबाद पुलिस के सुपुर्द किया है। हैदराबाद में कई सालों से वॉचमैन की नौकरी कर रहे नेपाली नागरिकों ने अपने ही मालिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। हैदराबाद में लाखों रुपए और ज्वेलरी चुराकर भाग निकले। पीड़ित विजय कुमार गोयल की तहरीर पर एफआईआर हैदराबाद थाने में दर्ज कराई गई थी। उसके बाद हैदराबाद पुलिस इंडो नेपाल सीमा पर बरसोला कला 70वीं वाहिनी के साथ मिलकर बॉर्डर पर दो दिन से चेकिंग कर रहे थे। नेपाली महिला सहित तीन नेपाली नागरिक तिकुनिया से टैक्सी करके खखरौला बॉर्डर पार करना चाह रहे थे। इन्दरनगर के पास बरसोला कला की 70वीं बटालियन एसएसबी चौकी के जवानों ने तिकुनिया के रास्ते पर आते इनोवा कार देखी। इसका नम्बर UP 16 AE 0486 था। इसमें बैठे तीन नेपालियों को जाते देखा तो पहले से ही मौजूद बरसोला चौकी एसएसबी ने चारों तरफ से घेर लिया। तलाशी लेने पर टैक्सी ड्राइवर ने अपना नाम विनोद बताया। वहीं एसएसबी को 3567945 रुपए और 68 लाख रुपए की ज्वैलरी, 123 ग्राम डायमंड सोना मिक्स और विदेशी मुद्रा भी बरामद किया है। इसमें 120 यूरो, 10 डॉलर, 1000 दिरहम भी मिले हैं।

भारत ने यूरोपीय संसद में मणिपुर की घटनाओं आंतरिक मामला कहा

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संसद में मणिपुर की घटनाओं को देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप और औपनिवेशिक मानसिकता

की प्रतीक बताते हुए इसकी चर्चा को खारिज कर दिया।

इस विषय पर मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, हमने देखा है कि यूरोपीय संसद ने मणिपुर की घटनाओं पर चर्चा की और एक तथाकथित अत्यावश्यक प्रस्ताव पारित किया। भारत के आंतरिक मामलों में इस तरह का हस्तक्षेप अस्वीकार्य है और औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। श्री बागची ने कहा कि न्यायपालिका सहित सभी स्तरों पर भारतीय अधिकारी मणिपुर की स्थिति से अवगत हैं और शांति और सद्भाव तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठा रहे हैं। उन्होंने यूरोपीय संसद को सलाह दिया कि वह अपने समय का उपयोग अपने आंतरिक मुद्दों का समाधान करने के लिए करे।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने लिया यमुना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों का जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर गुरुवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यमुना नदी से सटे प्रधान एन्क्लेव पुस्ता, बुराड़ी स्थित राहत शिविरों का जायज़ा लिया। साथ ही यमुना के किनारे बुराड़ी पुस्ता से पल्ला तक और रास्ते में हिरंकी ,रमजान पुर , मोहम्मदपुर आदि गांवों के पास की स्थिति का भी जायजा लिया। मंत्री ने हालात को देखते हुए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को यमुना के बढ़ते जलस्तर पर तुरंत कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किये। साथ ही राहत शिविरों में ठहरे शरणार्थियों के लिए रहने,खाने-पीने,शौचालय, मेडिकल सहित सभी जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को दिल्ली के अलग-अलग जिलों में बने शिविरों में स्थानांतरित किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक संजीव झा और दुर्गेश पाठक भी मौजूद रहे।

स्थिति का जायज़ा लेने के बाद राय ने ने कहा कि पिछले तीन दिन से दिल्ली में बारिश नहीं हो रही है लेकिन हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगातार लाखों क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके कारण 1978 के बाद पहली बार दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। आपदा की इस परिस्थिति में केजरीवाल सरकार ने हर तरह के खतरे से निपटने के लिए कमर कस ली है। बाढ़ के हालात को देखते हुए आज हमने यमुना से सटे प्रधान एन्क्लेव पुस्ता , बुराड़ी स्थित राहत शिविर का जायज़ा लिया है। साथ ही राहत और बचाव कार्यों की तैयारियों की समीक्षा भी की गई है। यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए यहां सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी दिए गए है।

नोएडा में ड्रोन से की जा रही है बाढ़ में फंसे लोगों की खोज, सैकड़ों को सुरक्षित निकाला गया

नोएडा। नोएडा में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने के चलते डूब क्षेत्र में फार्महाउस नर्सरी में काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारी उसी में फंस गए थे। दो दिनों से चल रहे एनडीआरएफ, फायर विभाग और पुलिस के रेस्क्यू ऑपरेशन के चलते अब तक सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। पुलिस द्वारा टोल कैमरे से भी सर्वे करवाया जा रहा है। यह देखा जा रहा है कि कहीं कोई बचा तो नहीं है, जो मदद की गुहार लगा रहा हो और उसकी आवाज ना पहुंच पा रही हो। गौतमबुद्धनगर में लगातार पुलिस बल व एनडीआरएफ/फायर सर्विस टीम के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सेक्टर-135 स्थित फार्म हाउस एरिया, गौशाला तथा आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे हुए व्यक्तियों व मवेशियों की सहायता करने के हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में आसपास के क्षेत्र का ड्रोन से निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि बाढ़ में फंसे व्यक्तियों एवं मवेशियों को देखकर रेस्क्यू किया जा सके। अब तक हजार से ज्यादा मवेशी रेस्क्यू कराए गए हैं और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

बाढ़ प्रभावित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में सक्रिय हुई वायु सेना

- वायु सेना के विमानों ने 48 घंटों में 40 उड़ानें भरकर 126 लोगों को बचाया

- बाढ़ से प्रभावित विभिन्न इलाकों में 17 टन राहत सामग्री वितरित की गई

नई दिल्ली। हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में बाढ़ के जो हालात हैं, उनमें मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में भारतीय वायु सेना भी शामिल हो गई है। वायु सेना के विमानों ने पिछले 48 घंटों में कुल 40 उड़ानें भरी हैं, जिनमें 126 लोगों को बचाया गया है। बाढ़ से प्रभावित विभिन्न इलाकों में 17 टन राहत सामग्री वितरित की गई है।

बारिश और बाढ़ के कारण पहाड़ से लेकर मैदान तक स्थिति खराब हुई है। हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से यमुना में 3 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने से राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में पानी भर गया है। सबसे खराब हालात हिमाचल प्रदेश में हैं, जहां कुल्लू घाटी में बाढ़ से बुरी स्थिति है। हिमाचल प्रदेश में हालात बहुत बुरे हैं तो पंजाब में

नदियों के तटबंध टूट रहे हैं। हिमाचल में 80 लोगों की मौत हो चुकी है तो 10 लोगों ने चंडीगढ़ में जान गंवाई है। यमुना व घग्गर नदियों में उफान से हरियाणा के कई जिलों में हजारों लोग बाढ़ग्रस्त गांवों में फंस गए हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने बाढ़ से निपटने के लिए पंजाब के लिए 218.40 करोड़ रुपये जारी किए हैं। वायु सेना के विंग कमांडर आशीष मोघे ने बताया कि वर्तमान बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और पंजाब राज्यों में मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में वायु सेना पूरी तरह से शामिल हो गई है। वायु सेना के विमानों ने पिछले 48 घंटों में कुल 40 उड़ानें भरकर 126 लोगों को बचाया है। तीनों राज्यों के बाढ़ से प्रभावित विभिन्न इलाकों में 17 टन राहत सामग्री वितरित की गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में हरियाणा के बाढ़ प्रभावित इलाकों निहारा, अलाउद्दीन माजरा, बिशनगढ़, सेगटा, भुन्नी, मुमनी, सेगटी और जनसुई गांवों में बड़े ऑपरेशन चलाकर एम-17 हेलीकॉप्टरों से राशन, तिरपाल चादरें, ताजा भोजन और पानी की बोतलें सहित राहत सामग्री प्रदान की गई। एम-17 और चिनूक हेलीकॉप्टर और एएन-32 और सी-130 परिवहन विमान आवश्यक संचालन करने के लिए स्टैंडबाय पर हैं।

दलबदल: सुप्रीम कोर्ट का महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस, दो सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिलली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कुछ अन्य विधायकों के खिलाफ एक साल से अधिक समय से लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर विधानसभा अध्यक्ष को निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग वाली शिवसेना उद्धव ठाकरे धड़े की रिट याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को नोटिस जारी किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिंहा और मनोज मिश्रा की पीठ ने महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से दो सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा।शीर्ष अदालत के समक्ष श्री ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु ने चार जुलाई 2023 को एक नई रिट याचिका दायर करके लंबित अयोग्यता की कार्यवाही पर निर्णय लेने में अध्यक्ष पर निष्क्रियता का आरोप लगाया है। इसके साथ ही याचिका में अयोग्यता पर एक निश्चित अवधि और हो सके तो दो सप्ताह के भीतर कोई फैसला करने का निर्देश देने की गुहार लगाई गई है।रिट याचिका में दावा किया गया है कि अयोग्यता की कार्यवाही पर निर्णय लेने में विधानसभा अध्यक्ष की निष्क्रियता संवैधानिक नजरिए से गंभीर अनुचित कार्य है, क्योंकि इससे अयोग्य ठहराए जाने वाले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री सहित कई विधायकों को विधानसभा और जिम्मेदार पदों पर बने रहने की अनुमति मिल गई है।

ठाकरे गुट ने अपने नई याचिका में तर्क दिया कि विधानसभा अध्यक्ष ने 23 जून 2022 से लंबित अयोग्यता याचिकाओं के संबंध में कोई बैठक नहीं बुलाई है, जबकि सर्वोच्च संविधान पीठ के 11 मई 2023 के आदेश के बाद उन्हें तीन प्रतिनिधिमंडल भेजे गए थे। इनमें उन्हें निर्णय एक उचित अवधि के भीतर करने को कहा गया था।

याचिका में यह भी कहा गया कि शीर्ष अदालत के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्देश जारी करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य है कि दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के प्रावधान केवल अध्यक्ष की निष्क्रियता के कारण निष्प्रभावी न हो जाएं।

याचिका में कहा गया है कि महाराष्ट्र विधानसभा के तत्कालीन अध्यक्ष का कार्यभार संभाल रहे उपाध्यक्ष के समक्ष 23 जून 2022 को कुल 16 अयोग्यता याचिकाएं दायर की गई थीं। इसी के मद्देनजर 25 जून 2022 को उपाध्यक्ष द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसमें बागी विधायकों को 27 जून 2022 तक अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया गया था। शीर्ष अदालत ने 27 जून 2022 को अपने आदेश द्वारा श्री शिंदे और श्री भरत गोगावले और अन्य (समान स्थिति वाले) विधायकों को जुलाई 2022 तक अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया था, लेकिन स्थिति यह है कि चार जुलाई 2023 तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया। इस प्रकार इन 16 याचिकाओं में जवाब दाखिल करने का समय समाप्त हो गया।

यह घटनाक्रम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजीत पवार और आठ अन्य विधायकों (ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार के एक अन्य घटक) के भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से श्री शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने के कुछ दिनों के भीतर आया है।

बाढ़ के कारण यमुना किनारे के तीन श्मशान घाट हुए बंद, अंतिम संस्कार के लिए पूर्वी दिल्ली में बढ़ा बोझ

नई दिल्ली। यमुना किनारे अंतिम संस्कार के लिए बने तीन श्मशान घाट बंद होने का बोझ सीधे तौर पर पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर से लेकर मौजपुर और कड़कड़डूमा शवदाह गृह पर पड़ने लगा है। पहले इन शवदाह गृह में जहां 4-5 अंतिम संस्कार होते थे, वहां बृहस्पतिवार को 12-15 अंतिम संस्कार हुए हैं। वर्तमान हालातों को देखकर शवदाह गृहों पर 15 दिन तक का लकड़ियों का स्टाक पूरा कर लिया गया है। साथ

ही भविष्य में स्थिति बिगड़ने पर जरुरत पड़े तो उसका भी इंतजाम शवदाह गृह संचालकों द्वारा कर लिया गया है।

दिल्ली में 23 शवदाह और कब्रिस्तान

दिल्ली में 23 के करीब शवदाह गृह और कब्रिस्तान संचालित होते हैं। कब्रिस्तान को वक्फ बोर्ड संचालित करता है जबकि शवदाह गृहों और श्मशान घाटों का संचालन निगम स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से करता है। सबसे पुराने श्मशान घाट निगम बोध को बुधवार को बंद कर दिया था तो वहीं गीता कालोनी और वजीराबाद श्मशान घाट में यमुना का पानी पहुंच गया है। इससे श्मशान घाटों को बड़ा नुकसान हुआ है साथ की लकड़िया भी पानी की चपेट में आ गई है। इससे मद्देनजर एमसीडी ने इन श्मशान घाटों को बंद करते हुए नागरिकों को वैक्लपिक शवदाह गृहों का उपयोग करने की सलाह दी है।

इस कारण बढ़ा बोझ

यमुना किनारे श्मशान घाट होने को लेकर यहां पर अंतिम संस्कार कराने की मान्यता है। इसकी वजह बड़ी संख्या में एनसीआर से लोग इन श्मशान घाटों का रुख करते थे। चूंकि अब यह बंद हो गए हैं तो लोग अपने घर के आस-पास ही शवदाह गृहों का उपयोग कर रहे हैं। मौजपुर में शवदाह गृह जिसमें औसतन चार के करीब अंतिम संस्कार होते थे। शाम चार बजे तक यहां पर 12 अंतिम संस्कार हुए हैं। इसी प्रकार कड़कड़डूमा में दो दिन अंतिम संस्कार औसतन हुआ करते थे वहां बृहस्पतिवार को 15 अंतिम संस्कार हुए हैं। इसी प्रकार गाजीपुर में अंतिम संस्कार की संख्या बढ़ गई है। शवदाह गृह संचालकों का कहना है कि उनके पास लकड़ियों का पर्याप्त स्टाक है। साथ ही हमने दिल्ली वन विभाग से लेकर स्थानीय लकड़ी के सप्लायर से बात कर रखी है। उन्होंने कहा कि मेरठ से लेकर हरिद्वारा आदि इलाकों से लकड़ी आने का कार्य कावड़ यात्रा के दौरान प्रभावित है। फिर भी वह अपना इंतजाम कर रहे हैं। निगम बोध से लेकर गीता कालोनी और वजीराबाद में प्रतिदिन 140 के करीब अंतिम संस्कार होते थे। चूंकि पुरानी दिल्ली के लोग अब एनसीआर के विभिन्न इलाकों में जाकर बस गए हैं फिर भी वह अपनी पुरानी मान्यता के चलते अंतिम संस्कार के लिए निगम बोध का ही रुख करते हैं।

आईटीओ ब्रिज बैराज के 5 गेटों को खोलने में जुटी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने की वजह से आसपास के इलाकों में पानी भर गया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की ओर से राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इसी के मद्देनजर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देशों का पालन करते हुए संचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सचिवालय के समीप आईटीओ ब्रिज पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। भारद्वाज ने बताया कि आईटीओ ब्रिज के नीचे लोहे के गेट (बैराज) हैं, जोकि हरियाणा सरकार द्वारा संचालित हैं। जहां एक तरफ गेट खुले होने से पानी बहुत तेजी से आगे बह रहा है, मगर दूसरी तरफ 5 गेट बंद होने से पानी नहीं निकल पा रहा है। ये पांच गेट सिल्ट जमा होने के कारण जाम हैं। यही वजह है कि वजीराबाद से आने वाला पानी आईटीओ ब्रिज के नीचे एक तरफ से बाहर नहीं निकल पा रहा है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि हम आईटीओ ब्रिज के नीचे सिल्ट से जाम इन 5 गेटों को खोलने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। गेटों के चारों तरफ जमा सिल्ट को निकालने के लिए कोंडली प्लांट से कंप्रेसर मंगवाया गया है। कंप्रेसर के जरिए सिल्ट हटाया जाएगा और फिर गेट को खोलने की कोशिश की जाएगी। अगर इसके बावजूद भी गेट नहीं खुल पाए, तो गैस कटर से इन्हें काट दिया जाएगा। ताकि ये गेट खुल जाएं और पानी ज्यादा तेजी से दिल्ली से बाहर निकल जाए। इससे काफी राहत मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। भारद्वाज ने आगे बताया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए विभागों को सदैव अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए है।

दिल्ली सरकार का हर विभाग अपने स्तर पर लोगों की मदद में जुटा है और स्थिति पर लगातार पैनी नजर रखे हुए है। हम हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। डूब क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है।राहत और बचाव कार्यों के लिए यमुना में विभिन्न जगहों पर मोटर बोट्स तैनात की गई है, जिस पर बचाव संबंधित सभी जरूरी उपकरण मौजूद है। साथ ही गोताखोर और मेडिकल टीमें भी तैनात हैं।

उप राज्यपाल और मुख्यमंत्री आईटीओ पहुंचे, स्थिति का लिया जायजा

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज विकास भवन, आईटीओ पहुंचे, जहां पर एक रेगुलेटर के क्षतिग्रस्त होने से जलजमाव हो रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी सौरभ भारद्वाज और आतिशी भी मौजूद थे। सौरभ भारद्वाज ने इस दौरान उपराज्यपाल से कहा कि उन्होंने कल रात विभिन्न अधिकारियों से एनडीआरएफ को बुलाने के लिए कई बार अनुरोध किए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और एनडीआरएफ अब यहां पहुंची है। अगर एनडीआरएफ रात में पहुंच जाती तो बेहतर होता।

इस पर दिल्ली के उपराज्यपाल ने कहा कि यह अवसर एक दूसरे पर आरोप लगाने का नहीं है। वह भी इस विषय पर बहुत कुछ कह सकते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न इलाकों में विभिन्न कारणों से जल जमाव हो रहा है।

आईटीओ में रेगुलेटर के डैमेज होने से राजघाट और आईटीओ में नाले का पानी बैकफ्लो कर रहा है और अन्य इलाकों में यमुना में बाढ़ का पानी आ रहा है। लोगों को जल्द ही राहत मिलेगी पानी भी धीरे-धीरे कम हो रहा है। इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यमुना में आई बाढ़ के चलते सेना और एनडीआरएफ की मदद मांगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। इंजीनियर रात भर क्षेत्र में काम करते रहे हैं। उन्होंने मुख्य सचिव से आर्मी और एनडीआरएफ की मदद लेने की बात कही ताकि यह जल्द से जल्द ठीक हो सके।

इससे पहले दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा था कि रात भर डब्ल्यूएचओ बिल्डिंग के साथ ड्रेन नंबर 12 में रेगुलेटर डैमेज होने की वजह से वहां इंजीनियर मरम्मत का काम करते रहे। अभी भी यमुना का पानी राजधानी में पहुंच रहा है। दिल्ली सरकार ने मुख्य सचिव को इसे प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने को कहा है।

उल्लेखनीय है कि यमुना का पानी अब धीरे-धीरे कम होने लगा है लेकिन आईटीओ और राजघाट इलाके में जलजमाव है। बाढ़ का पानी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है, जो तिलक मार्ग एरिया में स्थित है। आज सुबह 8 बजे तक यमुना का जलस्तर 208.42 मीटर था। आरटीओ और राजघाट में जलजमाव के चलते ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। इसी बीच आईटीओ और राजघाट पर लोग जलजमाव से जूझते दिखाई दिए हैं।

दिल्ली में पेयजल संकट के मद्देनजर डीजेबी ने जारी किए हेल्पलाइन नम्बर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर की वजह से वज़ीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को बंद किए जाने के साथ ही सोनिया विहार वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी के उत्पादन में 25 फीसदी की कमी आई है। कुल मिलाकर पानी के उत्पादन में 280 एमजीडी की कमी आई है। नतीजतन, दिल्ली के कई हिस्सों में लोगों को एक-दो दिन तक पीने के पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। पेयजल संकट से जुड़ी शिकायतों के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने हेल्पलाइन नम्बर जारी किए हैं।

इस वजह से बंद हुए प्लांट

इन प्लांट्स के माध्यम से दिल्ली में आगे पानी की सप्लाई करने के लिए यमुना के कच्चे पानी को इन प्लांट्स में साफ़ किया जाता है। यमुना से कच्चा पानी लेने के लिए वज़ीराबाद, चंद्रावल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पंप हाउस बनाए गए है। यमुना का जल स्तर बढ़ने से नदी का पानी इन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स में घुस गया है, जिसकी वजह से वज़ीराबाद, ओखला और चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स के पंप हाउस पानी में डूब गए है।

इन इलाकों में जल आपूर्ति होगी प्रभावित

उत्तरी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और उत्तर पूर्वी दिल्ली में पानी की सप्लाई की जाती है। इन प्लांट्स के बंद होने से सिविल लाइन्स क्षेत्र, हिन्दू राव अस्पताल, कमला नगर, पटेल नगर (ईस्ट - वेस्ट),करोल बाग, पहाड़गंज, एनडीएमसी एरिया,ओल्ड - न्यू राजेंद्र नगर,बलजीत नगर, प्रेम नगर, इंदरपुरी, शास्त्री नगर, कालका जी, गोविंदपुरी, तुगलकाबाद, संगम विहार, अंबेडकर नगर, प्रह्लादपुर, रामलीला ग्राउंड, दिल्ली गेट, सुभाष पार्क, मॉडल टाउन , गुलाबी बाग़, पंजाबी बाग,जहांगीरपुरी, मूलचंद,साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश और केंट एरिया के क्षेत्र, पूर्वी दिल्ली का क्षेत्र, सोनिया विहार, यमुना विहार, भजनपुरा, शास्त्री पार्क, घोंडा, सीमापुरी में 1 - 2 दिन के लिए जलापूर्ति प्रभावित हो सकती है। दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती ने वर्तमान स्थिति से निपटने और वैकल्पिक व्यवस्था के लिए दिल्ली जल बोर्ड मुख्यालय में आज आपातकालीन बैठक बुलाई। इस बैठक मेंबर वाटर, एडिशनल चीफ इंजीनियर्स और सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में प्लांट्स बंद होने के बाद जलापूर्ति से प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक व्यवस्था करने को लेकर चर्चा की गई। इन प्लांट्स के बंद होने की वजह से 19 विधानसभा क्षेत्रों की जल आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना है। इन प्रभावित विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली की लगभग 35 फीसदी जनसंख्या रहती है। दिल्ली जल बोर्ड उपाध्यक्ष ने बैठक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हुई है, दिल्ली जल बोर्ड ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर उनकी टैंकर मैपिंग की है। दिल्ली जल बोर्ड इन विधानसभा क्षेत्रों में टैंकर की मदद से लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने की वैकल्पिक व्यवस्था करेगा।अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था की गई है। इन तीन प्लांट्स के बंद होने और सोनिया विहार वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में उत्पादन कम होने की वजह से दिल्ली जल बोर्ड द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। टैंकर मंगवाने या पेयजल आपूर्ति से जुड़ी किसी समस्या के लिए दिल्ली जल बोर्ड द्वारा कंट्रोल रूम के इमरजेंसी हेल्पलाइन फ़ोन नंबर जारी किए गए है। आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली जल बोर्ड द्वारा जारी किये गए इमरजेंसी हेल्पलाइन फ़ोन नंबर; 23527679/ 23634469 या दिल्ली दिल्ली जल बोर्ड की हेल्पलाइन 1916 पर संपर्क किया जा सकता है। वर्तमान स्थिति के मद्देनज़र दिल्ली जल बोर्ड ने लोगों को पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी है।

नोएडा में खेल रहा बच्चा फ्लैट की 18वीं मंजिल से नीचे गिरा, मौत

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र की एक सोसाइटी में रहने वाला एक 12 वर्षीय बच्चा खेलते समय 18वीं मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे गिर गया। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि विराट 12 वर्ष पुत्र मनीष कुमार गिरी एस डिवेनो सोसायटी में रहता था। देर रात को वह 18वीं मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से खेलते समय नीचे गिर गया। उसे गंभीर हालत में एक अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा से माननीय परिवार में जीना उत्सव पूर्वक संभव

नोएडा। जीना उत्सव पूर्वक - वसुधैव कुटुंबकम-मानवीय परिवार संगोष्ठी का आयोजन संभावना सामाजिक कल्याणकारी समिति और ग्लोबल पीस फाउंडेशन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान नोएडा मीडिया क्लब नोएडा उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई। इसमें विद्वान वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भारतीय संस्कृति के मानवीय पक्ष पर परिवार से लेकर विश्व परिवार तक वसुधैव कुटुंबकम मानवीय परिवार बनने की संभावनाओं पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत का मानवतावादी सनातन दृष्टिकोण ही एक वैश्विक परिवार के महान विचार को क्रियान्वित कर सकता है। जी 20, एनईपी 2020 और अनेक वैश्विक संगठनों में वसुधैव कुटुंबकम के विचार को प्राथमिकता से उठाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नवाब सिंह नागर पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि भारतीय योग पद्धति और वसुदेव कुटुंबकम का विचार को इस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हो चुकी है। जिसके वैश्विक परिवार के महान विषयों की परिकल्पना को साकार करने में काफी सहायता मिली है। नागर ने कहा कि भारत के बारे में यह सत्य है कि इसकी संस्कृति बहुत पवित्र और मानवीय रही है। उन्हीं पवित्र और मानवीय शिक्षा संस्कारों के आधार पर हम विश्व शांति स्थापित कर सकते है और विश्व को एक परिवार की संकल्पना देने में सफल हो सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेंद्र पाठक सलाहकार ग्लोबल पीस फाउंडेशन इंडिया द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत और स्वागत वक्तव्य सुश्री आशा मोहिनी संभावना सामाजिक कल्याणकारी समिति किया गया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में परिवार टूट रहे हैं पूरी दुनिया में एकल अभिभावक संख्या मैं वृद्धि हो रही है भारत में अनाथ बच्चों की संख्या में भी बहुत तेजी से बड़ी है। डॉ. सी के भारद्वाज जो अध्यात्म और विज्ञान में समन्वय के विशेषज्ञ सावन आध्यात्मिक सत्संग सोसायटी नई दिल्ली ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भरत की विश्व संस्कृति को देश से बाहर के लोगों की द्वारा भी तेजी से शिकार किया जा रहा है जो कि एक उत्साह जनक पक्ष है। उन्होंने आध्यात्मिक योग की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए पारिवारिक जीवन में कैसे शक्ति प्राप्त की जा सकती है। आचार्य प्रेम भाटिया संस्थापक अध्यक्ष भारतीय योग संस्थान दिल्ली, बहुत ही रोचक तरीके से परिवार में कैसे एकता सकती है और परिवार संघर्ष मुक्त हो सकते हैं इस पर अपने विचार व्यक्त किए उमरा सर्वेश मित्तल राष्ट्रीय सलाहकार राष्ट्रीय सैनिक संस्था, द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा गया कि बच्चों को बचपन में ही ऐसे पवित्र संस्कार दिए जाने चाहिए जो उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाने में सहायता करें। उन्होंने कहा कि रोजगार परक शिक्षा प्रणाली को बदलकर संस्कार पर शिक्षा प्रणाली लागू करना समय की आवश्यकता है।

संक्षिप्त डायरी

प्रेमी के प्यार में अंधी महिला ने अपने ही मासूम बच्चे का घोंट दिया गला

ग्रेटर नोएडा :- प्रेमी के अवैध संबंधों में अंधी हुई एक मां इस कदर बेरहम निकली कि उसने अपने प्रेमी व देवर के साथ मिलकर अपने ही मासूम बच्चे को मौत के घाट उतार दिया। बच्चे का कसूर इतना था कि उसने अपनी मां को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। थाना बादलपुर पुलिस ने जानसमाना गांव से लापता बच्चे का शव संभल में मिलने के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी कलियुगी मां सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

मारपीट करने के आरोप में मुकदमा

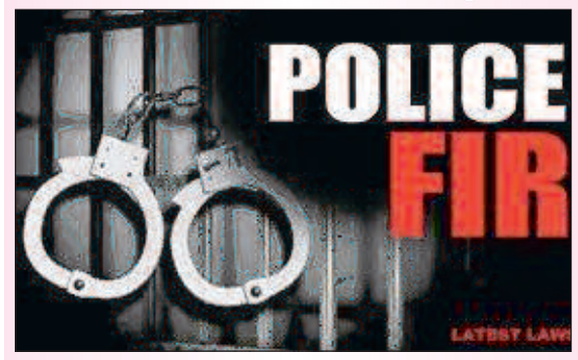

ग्रेटर नोएडा। थाना नॉलेज पार्क में एक व्यक्ति ने अपने गांव के ही 2 लोगों के खिलाफ गाली गलौज व मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम याकूबपुर निवासी जय सिंह ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपने मौसेरे भाई तुर मल के साथ घर में बैठे हुए थे इस दौरान गांव का ही सतवीर, धर्मेंद्र उर्फ भूरा उनके घर पर आए और गाली गलौज शुरू कर दी। इस बात का विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने उनके साथ जमकर मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

अवैध शराब पुलिस ने कब्जाई

ग्रेटर नोएडा। थाना नॉलेज पार्क पुलिस व आबकारी विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर ट्रक में भरकर ले जाई जा रही पंजाब राज्य की शराब पकड़ी है। पुलिस ने 167 पेटी शराब के साथ कैंटर चालक को गिरफ्तार किया है इसका एक साथी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया। आरोपी शराब को पंजाब से बिहार लेकर जा रहे थे। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा जोन अशोक कुमार ने बताया कि बीती रात्रि थाना नॉलेज पार्क पुलिस को सूचना मिली कि परी चौक से शराब से भरा एक कैंटर गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने आबकारी विभाग को जानकारी देकर परी चौक के पास घेराबंदी कर दी। इस दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर सफीपुर कट के पास एक आयशर कैंटर को पुलिसकर्मियों ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देख कर चालक ने कापफी पहले गाड़ी रोक कर भागने का प्रयास किया। इस दौरान कैंटर का हेल्पर मौके से फरार हो गया जबकि चालक को पुलिस कर्मियों ने दबोच लिया। पूछताछ में पकड़े गए चालक ने अपना नाम जुनेद पुत्र इसहाक निवासी ग्राम रणसीका थाना हथीन जिला पलवल हरियाणा तथा अपने फरार साथी का नाम प्रवेश निवासी मथोडी थाना बहादुरगढ़ जिला झज्जर हरियाणा बताया। कैंटर की तलाशी लेने पर उसमें प्लास्टिक की टेबल लगी हुई मिली। इन टेबल के बंडल को खोलकर देखा गया तो उनके भीतर शराब की पेटियां भरी हुई थी। एडीसीपी ने बताया कि आयशर कैंटर से 167 पेटियां शराब की बरामद हुई। बरामद शराब की कीमत करीब 15 लाख रुपए के आसपास है। एडीसीपी ने बताया कि आरोपी पंजाब से शराब खरीद कर उसे बिहार ले जा रहे थे। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने कैंटर पर फर्जी नंबर प्लेट भी लगाई हुई थी। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फरार प्रवेश की तलाश कर रही है।

मोगली, लिटिल यादव समेत छह बदमाशों को पुलिस कमिश्नर ने निकाला जिले से बाहर

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह लगातार अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही कर रही हैं। उन्होंने अब जिले में सक्रिय छह शातिर बदमाशों को गौतमबुद्धनगर जिले से बाहर (जिला बदर) करने का फरमान सुनाया है। अपर पुलिस न्यायालय ने गुंडा एक्ट में निरुद्ध बदमाश मोगली उर्फ सुंदर पुत्र धर्मवीर निवासी घोड़ी बछेडा, लखन पुत्र धर्मवीर निवासी ग्राम घोडी बछेडा, सिंटू यादव पुत्र संतोष निवासी प्रेम विहार खोडा कालोनी, गौतम पुत्र यादराम हाल निवासी ग्राम मोरना सेक्टर 35, अशफाक पुत्र नसरुद्दीन निवासी ककराला तथा लिटिल यादव पुत्र जगबीर सिंह निवासी गढ़ी चौखंडी को गौतमबुद्धनगर की सीमा से बाहर रहने के आदेश दिए हैं। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह लगातार जनपद में सक्रिय बदमाशों की कमर तोड़ रही हैं। बदमाशों द्वारा अपराध के जरिए कमाई गई संपत्ति को जहां कुर्क किया जा रहा है, वहीं गुंडा एक्ट तथा गैंगस्टर एक्ट में कार्यवाही कर बदमाशों पर नकेल कसी जा रही है।

खेलने के लिए घर से निकला किशोर हो गया लापता

ग्रेटर नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र के एस्कॉर्ट कॉलोनी में रहने वाला एक 17 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया पीड़ित परिजनों ने थाना दादरी में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया है। एस्कॉर्ट कॉलोनी पिंक सिटी दादरी निवासी अमन शर्मा ने दर्ज रिपोर्ट में बताएं कि उनका (17 वर्षीय) बेटा पीयूष शर्मा 12 जुलाई की शाम को अग्रसेन इंटर कॉलेज में खेलने के लिए गया था इसके पश्चात वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर-के रूपकिशोर की तलाश शुरू कर दी है।

गौतमबुद्धनगर में मंडराया बाढ़ का खतरा, डीएम ने किया यमुना नदी के तटबंधों का निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने यमुना नदी में बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर ग्राम मकनपुर खादर में पहुंचकर बने तटबंध का निरीक्षण किया। डीएम ने निरीक्षण के दौरान मौके पर उपस्थित सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता को निर्देश दिए कि उनके द्वारा यमुना नदी की स्थिति पर लगातार सतर्क दृष्टि बनाई रखी जाए तथा संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी तैयारियों को सुदृढ़ रखा जाए। डीएम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि इस संबंध में यमुना नदी से लगे हुए ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनको भी इस संबंध में पहले से ही जागरूक रखा जाए। एसडीएम सदर ने ग्राम बड़ौली बांगर और याकूतपुर का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार अन्य राजस्व विभाग के अधिकारियों के द्वारा भी इस संबंध में जनपद में निरंतर स्तर पर निरीक्षण किया जा रहा है। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान उनके साथ जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, सिंचाई विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे। बाढ़ कंट्रोल रूम की स्थापना हथिनी कुण्ड बैराज ताजेवाला से 3 लाख 26 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिससे पानी का स्तर बढ़ने की संभावना बनी हुई हैं। इसी के मद्देनजर कलेक्ट्रेट गौतमबुद्धनगर में बाढ़ कंट्रोल रूम स्थापित है, जिसका फोन नंबर 0120-2974274 है एवं आपदा लिपिक मोबाइल नंबर 9811363725 है। इसके अतिरिक्त सहायता के लिए उप जिलाधिकारी दादरी मोबाइल नंबर 9927760215, उप जिलाधिकारी सदर मोबाइल नंबर-8299138374, उप जिलाधिकारी जेवर मोबाइल नंबर-9773901899 उपलब्ध रहेंगे। ग्रामीण बाढ़ की स्थिति में सहायता के लिए उपरोक्त दूरभाष नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते हैं।

दुकानदार और ग्राहक के बीच मारपीट

नोएडा। फलों के दाम पूछकर उन्हें न खरीदना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। फल विक्रेता व एक अन्य व्यक्ति ने ग्राहक के साथ जमकर मारपीट की। बहलोलपुर में रहने वाले कालू सिंह ने थाना फेज-3 में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर-70 से अपने घर जा रहा था। इस दौरान गढ़ी गोल चक्कर पर उसने एक फल विक्रेता से फलों के दाम पूछे। फलों के दाम अधिक बताए जाने के कारण वह वहां से चल दिया। इस दौरान फल विक्रेता ने पास में ही खड़े सुमित यादव नामक युवक ने उसके साथ अभद्रता शुरू कर दी। आरोपियों ने कहा कि अगर उसे फल खरीदने नहीं थे तो उसने दाम क्यों पूछे? इस पर उसने फलों के अधिक रेट बताए जाने का हवाला दिया तो दोनों आरोपी आग बबूला हो गए। दोनों ने उसके साथ मिलकर मारपीट की। इस दौरान दोनों के कुछ साथी भी मौके पर आ गए जिसके बाद वह किसी तरह जान बचाकर वहां से निकला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस से शिकायत करने पर दबंगों ने धुन डाला वहीं मारपीट की शिकायत थाने में करने से गुस्साये दो युवकों ने शिकायतकर्ता के साथ जमकर मारपीट की। इस दौरान आरोपियों ने जान से मारने की नियत से उसकी कनपटी पर तमंचा सटा दिया। इस दौरान लोगों ने एक आरोपी को मौके पर पहुंचकर पकड़ लिया और थाना सूरजपुर पुलिस के हवाले कर दिया। मूल रूप से ग्राम मालपुरा थाना शिकारपुर जिला बुलंदशहर निवासी शिवकुमार सूरजपुर कस्बे में किराए पर रह रहा है। करीब 2 माह पूर्व उसकी पड़ोस में रहने वाले अंकित पुत्र धर्मवीर, कमल सिंह पुत्र नानक चंद से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसकी शिकायत उसने सूरजपुर थाने में की थी। इस बात को लेकर दोनों से रंजिश मानने लगे थे। शिव कुमार ने बताया कि गत 8 जुलाई की शाम को वह कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास जा रहा था। इस दौरान कुछ अज्ञात व्यक्ति आए और उन्होंने उस पर हमला कर दिया। इस दौरान एक व्यक्ति ने उसकी कनपटी पर तमंचा से हटा दिया और उसके साथ मारपीट करने लगे। आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा मारपीट करने वाले आरोपी कह रहे थे कि उसे शिकायत करने का बड़ा शौक है इसलिए अब उसे जान से हाथ धोना पड़ेगा। झगड़ा होता देखकर मौके पर कुछ लोग इकट्ठा हो गए और उन्होंने एक आरोपी को दबोच लिया। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी को थाना सूरजपुर ले आई शिवकुमार ने अंकित, नानक चंद आदि के खिलाफ सूरजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

बाढ़ का कहर : नोएडा में सभी स्कूल कालेज 14 तक रहेंगे बंद

नोएडा। हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से छोड़े गए पानी के कारण यमुना नदी में आई बाढ़ ने गौतमबुद्धनगर के खादर क्षेत्र में असर दिखाना शुरू कर दिया है। नोएडा में भी कई गांवों में पानी भर गया है, जहां से लोगों को निकाला जा रहा है। सेक्टर-125 में बाढ़ का पानी आने से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। इसी को देखते हुए जिले में कल स्कूल बंद रखने का फैसला लिया गया है। यमुना नदी में बढ़ते जल स्तर एवं बारिश की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद के कक्षा-12वीं तक के सभी स्कूल कालेजों को कल यानि 14 जुलाई को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। गौतमबुद्धनगर के जिला विद्यालय निरीक्षक डा. धर्मवीर सिंह ने बताया कि कक्षा-12वीं तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे। बता दें कि 14 जुलाई को शुक्रवार है और 15 को शनिवार तथा 16 को रविवार है। माना जा रहा है कि इन 3 दिनों तक सुरक्षा की दृष्टि से जनपद के स्कूलों को बंद रखा जाएगा।

ग्रेटर नोएडा के गैलेक्सी प्लाजा में लगी भीषण आग, तीसरी मंजिल से कूदे लोग, 5 घायल

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के गौर सिटी मॉल के गैलेक्सी कामर्शियल प्लाजा की तीसरी मंजिल में आग लगने के कारण लोग प्लाजा से कूदने लगे। आग लगने की वजह शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। हादसा ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौर सिटी मॉल में हुआ। यहां की तीसरी मंजिल में अचानक से आग लग गई। तीन लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। नीचे गिरने एक व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग लगने की इस घटना में पांच लोग घायल हुए हैं। थाना बिसरख क्षेत्र गौर सिटी मॉल के गैलेक्सी कामर्शियल प्लाजा में आज दोपहर अचानक आग लग गई। तीसरी मंजिल पर आग लगने के कारण एक पुरुष और एक महिला खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर कूद गए। मौके पर मौजूद लोगों ने इन्हें सुरक्षित बचाने के लिए नीचे गद्दा लगा दिया। नीचे कूदे दोनों लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि तीन अन्य लोगों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने की वजह से हुई घुटन की वजह 21 वर्षीय अंजली पत्नी मोहित बेहोश गई, जबकि 25 वर्षीय वंदना पत्नी सुरेश चंद, 32 वर्षीय विक्रम सिंह पुत्र डगर सिंह नीचे कूदने की वजह से घायल हो गए। इस हादसे में मोहित पुत्र सुभाष चंद झा और अक्षय सिंह राठौर पुत्र भवनप्रताप सिंह भी घायल हुए हैं। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने तुरंत आग पर काबू पा लिया।

लस्सी बेचने वाले ने झांसा देकर किया महिला से दुष्कर्म

हिसार। शहर के शमशान घाट के पास किराए के मकान में रहने वाली महिला से लस्सी बेचने वाले व्यक्ति द्वारा दुष्कर्म करने व बाद में महिला का नंबर ब्लॉक कर देने का मामला सामने आया है। महिला ने दुष्कर्म की शिकायत पुलिस को दी है।

मूलरूप से भिवानी निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि वह हिसार में शमशान घाट के पास किराए के मकान में रहती है। वह खरकड़ी गांव के सुरेंद्र से लस्सी लेती थी। इस दौरान उसकी उससे बातचीत शुरू हो गई। परिवार के बारे में पूछने पर उसने सुरेंद्र को बताया कि उसके एक बेटा है, जबकि उसके पति को 20 साल की सजा हो रखी है। इस पर सुरेंद्र ने कहा कि वह यहां सबको जानता है, कोई काम हो तो उसे बता देना। गत एक जुलाई को सुरेंद्र उसके घर आया और कहा कि वह उसका पूरा ख्याल रखेगा। उसने इसके बाद उससे शारीरिक संबंध बनाए। सुरेंद्र उसे कहने लगा कि उसे यहां से रूम बदलना होगा, उसे यहां सब जानते हैं। इसके बाद सुरेंद्र ने उसे कहीं और कमरा दिखाया और कहा कि यह मेरे घर के पास है और ठीक किराए में मिल जाए तो ले लो। बाकी बाद में कॉल करता हूं। महिला ने बताया कि इसके बाद सुरेंद्र की कॉल नहीं आई। बाद में उसे पता चला की उसने नंबर ब्लॉक कर दिया। अब उसका नंबर 10 दिनों से बंद आ रहा है। महिला ने आरोप लगाया कि सुरेंद्र ने उसे झांसे में रखकर संबंध बनाए हैं। पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

राजकीय मॉडल स्कूल के छात्रों ने कहा स्कूल में नहीं है शौचालय, एक में कैंटीन बनी तो दूसरा शौचालय टूटा

उकलाना। राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल उकलाना में स्कूली छात्रों ने कहा कि स्कूल में जो पुराना शौचालय था उसमें कैंटीन बना दी गई है। जबकि एक नया शौचालय बनाया तो उसकी टाईल टूट गई जिसमें 1 बच्चों को चोट भी लगी है और उस शौचालय को बाद में बंद कर दिया गया है। जिससे शौच व्यवस्था के लिए छात्रों को परेशान होना पड़ा है। स्कूली छात्रों ने कहा कि शौच व्यवस्था के लिए टॉयलेट ना होने से छात्रों को बड़ी परेशानी हुई है। जिसके लिए स्कूल प्राचार्य को छात्रों ने हस्ताक्षर करवाकर शिकायत भी दी है। ताकि छात्रों के लिए शौचालय की व्यवस्था शीघ्र हो। शिकायत में अंकित, हर्षित ,राहुल, दीपक, विवेक, करण, मोनू , रितिक आदि ने प्राचार्य को लिखित शिकायत दी और शौचालय को जल्द दुरुस्त करने की भी मांग की। जब इस विषय पर स्कूल प्राचार्य अर्जुन देव से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जो नया शौचालय बना है इसमें वर्षा आने से टाईले धस गई हैं। किसी छात्र को चोट ना लगे इसलिए यहां बंद कर दिया गया है ।स्कूली छात्रों को जानकारी नहीं थी कि अन्य शौचालय भी हैं वह समझ रहे थे कि ये स्टाफ के लिए ही है। लेकिन वह बच्चों के लिए खुलवा दिए गए हैं और इस शौचालय को जल्द दुरुस्त करवा दिया जाएगा।

नई विधानसभा के लिए चंडीगढ़ सशर्त जमीन देने को तैयार

चंडीगढ़। राजधानी चंडीगढ़ में ही हरियाणा की नई विधानसभा बनने का रास्ता लगभग साफ हो चला है। यूटी प्रशासन हरियाणा को नये विधानसभा भवन के लिए 10 एकड़ भूमि देने को राजी है। बशर्ते, इसके बदले में हरियाणा सरकार द्वारा चंडीगढ़ प्रशासन को आईटी पार्क के साथ लगते एरिया में 12 एकड़ भूमि देनी होगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा भी इस मामले में दखल दिया हुआ है। गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद ही यूटी प्रशासन ने जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू की है।

दरअसल, अगले परिसीमन को देखते हुए हरियाणा सरकार ने नये विधानसभा भवन की तैयारियां शुरू की हैं। इस बार के परिसीमन में हरियाणा में लोकसभा और विधानसभा सीटों के बढ़ने की प्रबल संभावना है। लोकसभा की सीटें दस से बढ़कर 13 से 14 हो सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो विधानसभा सीटों की संख्या 90 से बढ़कर 126 तक पहुंच सकती है। पिछले परिसीमन के दौरान हरियाणा में कुछ सीटों के नाम बदल गए थे और कुछ पुरानी खत्म होने के बाद नई सीट अस्तित्व में आ गई थी।

हालांकि संख्या में बढ़ोतरी नहीं हुई थी। इस अवधि में प्रदेश की आबादी काफी बढ़ गई है। देशभर में भी लोकसभा की सीटों में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। ऐसे में हरियाणा में भी इस बार विधानसभा व लोकसभा की सीटें बढ़ना तय हैं। वर्तमान में पंजाब और हरियाणा

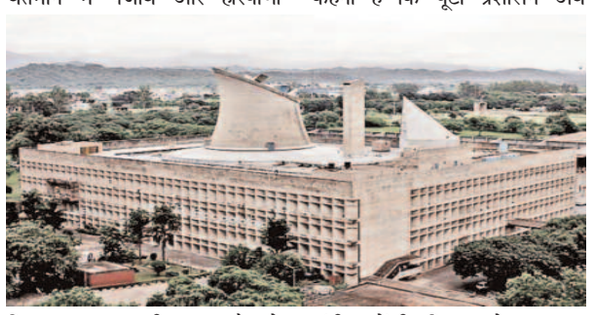

विधानसभा एक ही भवन के दो अलग-अलग हिस्सों में चल रही है। हरियाणा विधानसभा के हाउस में 90 सदस्यों के बैठने का तो प्रबंध है, लेकिन अगर एक भी और सदस्य बढ़ जाए तो उसके लिए जगह नहीं है। इसी को देखते हुए स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने नये विधानसभा भवन के लिए प्रयास शुरू किए।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का भी उन्हें समर्थन मिला। यह मुद्दा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने उठाया गया। शाह ने इसे कवायद को अच्छा बताते हुए यूटी प्रशासन को जमीन आवंटन के निर्देश दिए। तभी से लेकर हरियाणा व यूटी के अधिकारियों के बीच बैठकों का दौर जारी है। सूत्रों का कहना है कि यूटी प्रशासन अब चंडीगढ़ में ही हरियाणा को 10 एकड़ भूमि देने के लिए राजी हो गया है।

दोनों राज्यों ने मिलकर यह तय किया है कि हरियाणा इस जमीन के बदले यूटी प्रशासन को चंडीगढ़ के आईटी पार्क के साथ लगते एरिया में 12 एकड़ भूमि देगा। यूटी प्रशासन ने इसके लिए हरियाणा के अधिकारियों को जमीन की अदला-बदली की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। यानी अब हरियाणा को गैर-कब्जाग्रस्त प्रमाण-पत्र और 12 एकड़ भूमि की सीमांकन रिपोर्ट यूटी प्रशासन के पास जमा करवानी होगी। इसके बाद यूटी जमीन आवंटन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का काम करेगा।

चंडीगढ़ के डीसी ने कहा - दस्तावेज मांगे हैं हरियाणा से

चंडीगढ़ के डीसी विनय प्रताप सिंह ने कहा, हरियाणा विधानसभा के लिए जमीन देने का फैसला अभी लंबित है। हरियाणा की ओर से एक प्रपोजल प्राप्त हुई थी। हमने हरियाणा को कई जगह जमीन दिखाई और रेलवे स्टेशन के पास दस एकड़ भूमि चिह्नित की गई है। इसके एक्सचेंज में चंडीगढ़ से लगते एमडीसी पंचकूला की 12 एकड़ जमीन ऑफर की है। अधिकारियों की एक समिति इस पर चर्चा कर रही है। हमने पंचकूला की जमीन के कुछ दस्तावेज हरियाणा सरकार से मांगे हैं, जो अभी तक मिले नहीं हैं। इनमें इको-सेंसेटिव जोन क्लीयरेंस आदि जैसे मसले हैं। दस्तावेज मिलने बाद हरियाणा की प्रपोजल को यूटी प्रशासक की मंजूरी के बाद केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। इस माह के आखिर में एक बैठक निश्चित है। उसके बाद यूटी की छंटनी कमेटी इसे यूटी प्रशासक के समक्ष रखेगी।

बाढ़ से प्रभावित गांवों में भाविप श्री राधा कृष्ण शाखा ने पहुंचाई राहत सामग्री

करनाल। बाढ से प्रभावित गांवों में लोगों की सहायता के लिए भारत विकास परिषद श्री राधा कृष्ण शाखा ने मदद को हाथ बढाए हैं। शाखा के सदस्यों ने कई गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों तक राहत सामग्री पहुंचाई जिसके लिए ग्रामीणों ने शाखा का आभार व्यक्त किया। भारत विकास परिषद श्री राधा-कृष्ण शाखा के सदस्यों ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों घीड़, चोरपुरा, डबकौली कलां, बयाना गांव का सर्वेक्षण किया और जल स्तर के निरंतर बढने पर चिंता जताई। बाढ पीड़ितों तक प्रशासन व सामाजिक संस्थाएं खाद्य व राहत सामग्री पहुंचा रही है। ऐसे समय में जितने लोग आगे आएंगे उतने ही ज्यादा लोगों की सहायता की जा सकेगी। इसी क्रम में प्रभावित इलाकों में भारत विकास परिषद श्री राधा-कृष्ण शाखा के द्वारा दूध, ब्रैड, बिस्कुट के पैकेट व पानी की बोतलें पहुंचाई गई। शाखा की अध्यक्ष प्रियंका काठपाल ने सभी से अपील कि वे मदद के लिए आगे आएं और जैसी हो सके, सहायता करें। इस कार्य में प्रमोद नागपाल, सुनील गहलोत व प्रभा शर्मा का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

आपदा प्रबंधन के लिए हरियाणा को केंद्र से मिले 216 करोड़

चंडीगढ़। हरियाणा, पंजाब व चंडीगढ़ के अलावा हिमाचल प्रदेश में बारिश से हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कई नेशनल व स्टेट हाईवे के अलावा रेल लाइन तक जमींदोज हो गई हैं। बहरहाल, आपदा प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार की ओर से 22 राज्यों को 7 हजार 532 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद जारी की गई है।

केंद्र से मिलने वाली मदद के तहत हरियाणा को 216 करोड़ 80 लाख रुपये मिलेंगे। वहीं पंजाब को 218 करोड़ 40 लाख रुपये और हिमाचल प्रदेश को 180 करोड़ 40 लाख रुपये की मदद केंद्र ने दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को तुरंत प्रभाव से आपदा प्रबंधन से जुड़े कार्यों को तेज करने को कहा है। इतना ही नहीं, केंद्र ने नियमों में भी छूट दी है। पिछले वर्ष जारी पैसों के इस्तेमाल का प्रमाण-पत्र जारी किए बिना ही केंद्र ने यह मदद दी है, ताकि तुरंत आपदा प्रबंधन के कार्य पूरे किए जा सके।

हरियाणा, पंजाब व हिमाचल प्रदेश में बारिश की वजह से भारी नुकसान हुआ है। मनाली में नेशनल हाईवे नदी के प्रवाह में बह गया। कई जगह पर नेशनल हाईवे पूरी तरह से तबाह हो चुका है। इसे फिर से अस्तित्व में लाने में लम्बा वक्त लगेगा। इतना ही नहीं, कई अन्य नेशनल व स्टेट हाईवे के अलावा स्थानीय सड़कें बारिश की वजह से टूट गई हैं। हरियाणा में भी दर्जनों की संख्या में मुख्य सड़कें और सैकड़ों की संख्या में संपर्क सड़कें बारिश की वजह से जगह-जगह से टूट गई। पिंजौर व पंचकूला में पुल भी टूटे हैं। शिमला हाईवे पर भी कई

जगह नुकसान पहुंचा है। हरियाणा के करीब 300 गांवों में पानी भरा हुआ है। लोगों के खेतों के अलावा घरों में भी कई-कई फुट पानी है। अम्बाला जिले की कई कॉलोनियां जलमग्न हो गई। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने राज्य में बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए लगभग 4-5 जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया है। वे राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, एनडीआरएफ के साथ निरंतर संपर्क बनाये हुए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं।

10 दिन में करना होगा हरपथ एप पर आई शिकायतों का निपटारा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा सड़कों, गलियों, नालों-नालियों की समस्याओं के लिए शुरू की गई 'हरपथ एप' पर आने वाले शिकायतों को लेकर सेवा का अधिकार आयोग ने कड़ा नोटिस लिया है। मुख्य रूप से चार विभागों व बोर्ड-निगमों से जुड़ी शिकायतें होती हैं। इनमें हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय, मार्केटिंग बोर्ड तथा एचएसआईआईडीसी शामिल हैं। आयोग के मुख्य आयुक्त टीसी गुप्ता ने चारों ही विभागों के अधिकारियों को सख्त हिदायतें दी हैं। उनका कहना है कि पॉट होल्स की मरम्मत का कार्य हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के लिए सेवा का अधिकार अधिनियम-2014 के अधीन अधिसूचित है। अगर संबंधित विभाग गंभीरता से काम करें तो इन सेवाओं से ही मानसून के सीजन में सैकड़ों लोगों की जान बचाई जा सकती है। गुप्ता ने चारों विभागों के अधिकारियों को हरपथ एप पर आई शिकायतों को अगले 10 दिनों में दुरुस्त करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने दो-टूक कहा कि अगर इसके बाद भी शिकायतों पर समाधान नहीं हुआ तो 11वें दिन वे कड़ी कार्रवाई करेंगे। इस संदर्भ में उन्होंने चारों ही विभागों के अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक भी की।

प्रजापति धर्मशाला कुरुक्षेत्र के दरवाजे पीड़ित और जरूरतमंदों के लिए हमेशा खुले : दर्शन लाडवा

कैथल। कुरुक्षेत्र, अंबाला, कैथल व आसपास के कई जिलों में आई बाढ़ के कारण हुई त्राहि-त्राहि के बीच एक राहत की खबर आई है जिसमें प्रजापति धर्मशाला सभा कुरुक्षेत्र की ओर से पीड़ित, परिवारों, जरूरतमंदों और बाढ़ग्रस्त लोगों के लिए हर प्रकार की सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करवाने की पहल की गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए प्रधान दर्शन लाडवा ने कहा कि मनुष्य का सबसे बड़ा कर्तव्य मानव सेवा है। अपने और पराये का पता आपदा और विपदा में मालूम होता है। प्रधान ने कहा कि आज कैथल, कुरुक्षेत्र और अंबाला सहित कई जिलों में लोग बाढ़ से पीड़ित हैं। कई जगहों पर खाने-पीने के इंतजाम भी नहीं हो पाए हैं और कई जगह पशुधन भी चपेट में आने से भुखमरी के कगार पर पहुंच रहा है। कई ऐसे केस सामने आ रहे हैं जिसमें लोगों के पास राशन नहीं पहुंच रहा और उनका जीवन कटी पतंग की तरह हो गया है। आसपास बाढ़ का पानी होने के कारण सहायता देने वाले लोग वहां तक पहुंच नहीं पा रहे और राशन व्यवस्था भी उन तक नहीं पहुंच पा रही है। उन्होंने आमजन को आह्वान किया है कि कोई भी पीड़ित, असहाय और जरूरतमंद व्यक्ति दवाइयां, भोजन और अन्य सुविधाओं व सेवाओं के लिए प्रजापति धर्मशाला कुरुक्षेत्र में आ सकता है, जनता के लिए धर्मशाला के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं। दर्शन लाडवा ने कहा कि इस समय हमें जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए क्योंकि प्राकृतिक आपदा कहकर नहीं आती और जो इस आपदा का शिकार होते हैं उन्हें ही इसका दुःख दर्द मालूम होता है, इसलिए जो बाढ़ से बचे हुए इलाके के लोग हैं, उनके द्वारा भी पहल करनी चाहिए और आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी पीड़ित परिवार सहायता लेना चाहता है वह उनके मोबाइल नंबर 74049-21849 और 94161-21849 पर संपर्क कर सकता है, धर्मशाला के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं।

गैस नहीं बरती तो गैस कंपनी ने उद्यमी पर ठोंका 60 लाख जुर्माना

झज्जर। कनेक्शन लेने के तुरंत बाद बहुत महंगी होने के कारण कुछ महीने तक अपने उद्योग में ईंधन के लिए पीएनजी की खपत नहीं कर पाए जिले के एक उद्यमी पर की मुश्किल बढ़ गई। गैस कंपनी ने लगभग 60 लाख रुपये जुर्माना उस पर लगा दिया। उद्यमी अब जुर्माना माफ करवाने के लिए भटक रहे हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज (कोबी) ने कंपनी के इस तरीके को दादागिरी बताते हुए ऐसी मनमानी बंद करने की मांग की है। कोबी के सदस्य उद्यमी अमित गोयल बहादुरगढ़ के गणपति धाम औद्योगिक क्षेत्र में समर्थ रैक्सीन प्राईवेट लिमिटेड फैक्टरी चलाते हैं। इस उद्योग में रैक्सीन बनती है। सर्दी के मौसम के अलावा कुछ अन्य दिनों में उद्योगों पर प्रदूषण रहित ईंधन प्रयोग करने के लिए एनजीटी का दबाव

रहता है। इसलिए गोयल ने वर्ष 2022 में अपनी फैक्टरी के लिए हरियाणा सिटी गैस (एचसीजी) से कनेक्शन ले लिया। कंपनी की शर्तों के अनुसार, इसके लिए 30 लाख रुपये बैंक गारंटी और लगभग पांच लाख रुपये मीटर चार्ज भी दिया। गोयल ने बताया कि मार्च 2022 में जब उन्होंने कनेक्शन के लिए आवेदन किया तो गैस का भाव 37 रुपये प्रति किलो लिखा था, लेकिन नवंबर में जब आपूर्ति शुरू की तो 66 रुपये की दर से शुरू की। इस तरह गैस की कीमत में अचानक भारी वृद्धि कर दी। जिससे उन्हें एचसीजी की पीएनजी प्रयोग करना मुश्किल हो गया। उन्होंने एचसीजी की गैस इस्तेमाल न करने का फैसला लिया। अप्रैल, मई व जून 2023 में गैस नहीं खपाई तो गैस एजेंसी ने उन पर 5911630 रुपये 56 पैसे जुर्माना लगा दिया है। गोयल ने इस पैनल्टी को नाजायज बताते हुए खत्म करने की मांग की है। कोबी के महासचिव अशोक मित्तल ने उद्यमियों को गैस कनेक्शन लेने से पहले सभी तथ्यों को अच्छी तरह समझ लेने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि जल्दी में कनेक्शन लेने से कई वास्तविक तथ्य छिपे रह जाते हैं। कोबी के प्रधान प्रवीण गर्ग ने कहा कि यह रवैया एचसीजी की सरासर दादागिरी है। इसलिए हमने इसकी शिकायत सरकार के उच्च अधिकारियों को भी की है। उधर, एचसीजी के मार्केटिंग मैनेजर पंकज चौहान का कहना है कि हमारी कंपनी ने समर्थ रैक्सीन प्राईवेट लिमिटेड से कुछ भी गलत नहीं मांगा है। केवल उसी के मुताबिक मांगा जा रहा है जो नियम और शर्तें कनेक्शन लेने के वक्त तय हुई थीं। फर्म की ओर यह राशि मिनिमन गारंटिड ऑफ टेक की बकाया बनती है।

सेना द्वारा 17 से 30 जुलाई तक आयोजित की जा रही है सेना भर्ती रैली : कर्नल दीपक कटारिया

रोहतक। स्थानीय सेना भर्ती कार्यालय के भर्ती निदेशक कर्नल दीपक कटारिया ने बताया कि सेना द्वारा 17 से 30 जुलाई तक स्थानीय राजीव गांधी खेल स्टेडियम में सेना भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। भर्ती रैली के लिए शॉर्ट लिस्ट किये गए उम्मीदवारों के लिए भर्ती रैली में सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ-साथ एडमिट कार्ड एवं आधार कार्ड लाना भी अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार सेना की वेबपोर्टल ज्वाइन इंडियन आर्मी से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करें। यदि किसी उम्मीदवार को एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में परेशानी हो रही है तो वे 14 जुलाई तक स्थानीय सेना भर्ती कार्यालय में पहुंचकर अपना एडमिट कार्ड ले सकते है। इसके अलावा भर्ती कार्यालय के दूरभाष संख्या 01262-253431, फैक्स संख्या 01262-268568 तथा हेल्पलाइन संख्या 89013-84498 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

कुंडली बॉर्डर तक ही हरियाणा रोडवेज की बस, दिल्ली ले जाने से परहेज

सोनीपत। हरियाणा राज्य परिवहन की बसें गुरुवार को कुंडली बॉर्डर तक ही गईं। इससे आगे लंबा जाम लगने के कारण बसों को ले जाने में चालक ने असमर्थता जताई। दिल्ली आईएसबीटी पर जलभराव और जाम के चलते सोनीपत बस अड्डे पर सूचना दी गई कि रोडवेज बसों का संचालन रोक दिया गया है। पानीपत रोडवेज डिपो से रवाना हुई बसें कुंडली बॉर्डर पर ही सवारियों को उतार कर वापिस लौट गईं। कांवड़ यात्रा के चलते पानीपत डिपो की बसों का शामली रूट से संचालन बंद है। उत्तर प्रदेश के शामली, कैराना, कांधला, मुज्जफरनगर, बिजनौर, नजीबाबाद, कोटद्वार, रूद्रपुर, काशीपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, गजरौला, हलद्वानी, काठगोदाम, बरेली, बदायु रूट पर फिलहाल रोडवेज बसें नहीं जा रही। इन रूटों पर पहले पानीपत के साथ

अन्य डिपो की लगभग 45 बसें चलती थी। पानीपत रोडवेज डिपो, महाप्रबंधक कुलदीप जांगड़ा ने बताया कि जलभराव के कारण दिल्ली जाने वाले यात्रियों को कुंडली बॉर्डर पर उतारा जा रहा है। चालकों के मुताबिक दिल्ली में भारी जाम की स्थिति है। स्थिति सामान्य होते ही बसों को दिल्ली तक भेजा जाएगा। ।

ोनीपत बस डिपो से दिल्ली की बस सेवा बंद कर दी गई है। जिससे बस स्टैंड में पहुंचे यात्रियों की मुसीबत बढ़ गई है। सोनीपत बस डिपो अधिकारी रणबीर सिंह ने बताया कि आईएसबीटी में पानी भर गया है। जिससे वहां बसों का आवागमन रोक दिया गया है। दिल्ली के लिए कोई बस नहीं भेजी जा रही है। दिल्ली डिपो से अगली सूचना मिलने के बाद ही बस सेवा बहाल की जाएगी।

बस स्टैंड में पहुंचे यात्री महेश कुमार का कहना है कि बस सेवा बंद होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दिल्ली में सिंघु बॉर्डर से करनाल बाईपास तक वाहनों की कतार लग गई है। दिल्ली में भारी वाहनों को नहीं जाने दिया जा रहा है। अब सिंघु-कुंडली बॉर्डर पर भारी वाहनों को रोका जा रहा है। जिससे नेशनल हाईवे-44 पर वाहनों की कतार गई है। भारी वाहन सड़क किनारे खड़े होने से अन्य वाहन रेंगकर चल रहे हैं।

अम्बाला में अधिकारियों को दिए जल्द पानी निकलवाने के निर्देश

अम्बाला। गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने रेस्ट हाउस अम्बाला छावनी में अधिकारियों के साथ बैठक कर अम्बाला छावनी हलके में जलभराव की स्थिति की जानकारी ली और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। 4 दिन से अनिल विज लगातार जलभराव वाले क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। विज ने टांगरी नदी में पानी आने की जानकारी मिलने पर टांगरी बांध पर जाकर मुआयना किया।

इसके बाद, इंडस्ट्रीयल एरिया के डिस्पोजल प्लाएंट पम्प का मुआयना किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिन-जिन क्षेत्रों में पम्प हाउस व मोटरें कार्यरत हैं, यह सुनिश्चित करें कि वे सुचारू रूप से चलें और पानी की निकासी जल्द की जाए। उन्होने मौके पर मौजूद एसडीएम व अन्य

अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनडीआरएफ व एसडीआरएफ को स्टैंड बाई पर रखें, जिससे वर्षा होती है तो मदद ली जा सके। इस मौके पर एसडीएम सतिन्द्र सिवाच, एमई हरीश कुमार, राकेश बैनीवाल, नायब तहसीलदार, एसएचओ नरेश कुमार, जेई जयदीप राणा सहित अन्य अधिकारी तथा मंडल प्रधान अजय बवेजा, उमेश साहनी, बलकेस वत्स, राजीव त्यागी, शक्ति राणा, प्रेम राणा व अन्य पदाअधिकारी मौजूद रहे।

इधर, डीसी डा. शालीन ने जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की और हालात की समीक्षा की। उन्होंने बिजली व जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में बिजली बाधित है वहां बिजली की आपूर्ति बेहतर रूप से सुनिश्चित करें।

मदद के लिए आए सामाजिक संगठन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, भारत विकास परिषद, महर्षि दयानंद शाखा, एकम न्याय सहित अन्य संगठनों के कार्यकर्ता प्रभावित लोगों को खाद्य सामग्री, पानी, दवाएं पहुंचा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष रोहित जैन, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, मेयर शक्तिरानी शर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा पार्टी के सदस्य संबंधित लोगों को अपने तरीके से मदद पहुंचा रहे हैं।

संस्कार उजाला

अरुणाचल को भारत का अभिन्न अंग, अमेरिकी संसद समिति ने प्रस्ताव पारित किया

सैन फ्रांसिस्को । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के कुछ वक्त बाद अमेरिकी संसद की समिति ने अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाला प्रस्ताव पारित किया है। यह प्रस्ताव सांसद जेफ मर्कले, बिल हेगेर्टी, टिम काइने और क्रिस वान होलेन ने पेश किया था। प्रस्ताव में इसकी पुन-पुष्टि की गई है कि अमेरिका मैकमोहन लाइन को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) और भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के तौर पर मान्यता देता है। इससे चीन का यह दावा कमजोर होता है, कि अरुणाचल का अधिकतर हिस्सा पीआरसी का है। इस प्रस्ताव को मतदान के लिए सीनेट में पेश किया जाएगा। सांसद मर्कले ने कहा, स्वतंत्रता और नियम आधारित व्यवस्था का समर्थन करने वाले अमेरिकी मूल्य दुनियाभर में हमारे सभी कार्यों और संबंधों के केंद्र में होने चाहिए, खासतौर पर तब, जब पीआरसी सरकार एक वैकल्पिक दृष्टिकोण अपना रही है। मर्कले चीन से जुड़े मामलों पर अमेरिकी संसद की एक समिति के सह-अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, ''समिति द्वारा उक्त प्रस्ताव को परित करना इसकी पुष्टी करता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न हिस्सा मानता है, न कि चीन का। सांसद कॉर्नें ने कहा, ''भारत और चीन के बीच साझा सीमा को लेकर तनाव बढ़ रहा है। इसके बाद अमेरिका को स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत का समर्थन करके लोकतंत्र की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े रहना होगा।'' उन्होंने कहा, ''यह प्रस्ताव इस बात की पुष्टि करता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत के अभिन्न हिस्से के तौर पर मान्यता देता है और मैं अपने साथियों से इसे बिना विलंब पारित करते का अनुरोध करता हूं।

26 साल बाद 32 रुपये की किताब नीलामी में 11 लाख रुपये में

लंदन । जादुई दुनिया को सिनेमा के आगे प्रदर्शित करने वाली सबसे मशहूर सीरीज हैरी पॉटर में दिलचस्पी रखने वालों के लिए बड़ी खबर है। दरअसल, हैरी पॉटर फिल्म आने से पहले राइटर जेके रॉलिंग द्वारा लिखी किताब की हैरान कर देने वाली नीलामी हुई है। इस किताब की पहली कड़ी के पहले 500 एडिशन में से एक आज जिस कीमत लगभग 10,500 (लगभग 11 लाख रुपये) में नीलाम हुई है। सबसे ज्यादा बोली रिचर्ड विंटनर ने लगाई और 11.26 लाख में इस किताब के मालिक बन गए। किताब खरीदने के बाद रिचर्ड ने कहा कि ये मेरे लिए बड़ी स्पेशल है, क्योंकि ये जे के रॉलिंग की किताब की मुख्य सीरीज की पहली किताब है। ब्लूम्सबरी द्वारा 1997 में लेमिनेटेड बोर्ड कवर के साथ प्रकाशित, यह पुस्तक केवल 500 कॉपी छपी थी जिसमें 300 को यूके की लाइब्रेरी में भेज दिया गया और वहीं इस किताब के लिए आखिरी बोली ऑनलाइन लगाई गई। फटी-पुरानी किताब को 1997 में केवल 32 रुपए में खरीदा गया था जिसकी आज बोली अब 11 लाख रुपए में लगी है। 26 साल बाद किताब को बेचने का फैसला किया। ऑक्शन हाउस ने बताया कि फ्रवाह, हैरी पॉटर बुक को लेकर क्या अविश्वसनीय परिणाम है, 10 जुलाई को 10,500 पाउंड (लगभग 11 लाख रुपये) की भारी कीमत, हम इस परिणाम से बिल्कुल खुश हैं। जेके राउलिंग की किताबों की ओरिजनल सीरीज में इस पहली प्रति को स्पष्ट रूप से अच्छी तरह से पढ़ा गया है और अभी भी इसपर लाइब्रेरी पहचान स्टिकर, जे अक्षर के साथ स्पाइन स्टिकर, एग्जिट टिकट और किताब पर बिक्री की कीमत केवल 32 रुपये लिखी है। वहीं किताब पर लाइब्रेरी की मुहर भी लगी हुई है।

खालिस्तानियों की बर्बरता, ऑस्ट्रेलिया में सड़क पर टहल रहे भारतीय छात्र को लोहे की रॉड से पीटा

खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों के विरोध में आवाज उठाने के बाद ऑस्ट्रेलिया में एक 23 वर्षीय भारतीय छात्र को खालिस्तान समर्थकों द्वारा कथित तौर पर लोहे की छड़ों से पीटा गया। द ऑस्ट्रेलिया टुडे की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, हमला सिडनी के पश्चिमी उपनगर मेरीलैंड्स में हुआ, जहां हमलावरों ने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए उस समय छात्र को निशाना बनाया, जब वह काम पर जा रहा था। ड्राइवर के रूप में काम करने वाले छात्र ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए घटना को याद करते हुए कहा कि आज सुबह 5.30 बजे, जब मैं काम पर जा रहा था, कुछ 4-5 खालिस्तान समर्थकों ने मुझ पर हमला किया। फिर उसे जबरन वाहन से बाहर खींच लिया गया और लोहे की छड़ों से पीटा गया। हमलावरों में से दो ने हमले का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। छात्र ने बताया कि उस पर हमला करते समय हमलावर लगातार खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। पीड़िता ने कहा कि 5 मिनट के भीतर सब कुछ हुआ और वे यह कहते हुए चले गए कि खालिस्तान मुद्दे का विरोध करने के लिए यह मेरे लिए एक सबक होना चाहिए। यदि नहीं, तो वे मुझे इस तरह और भी सबक देने के लिए तैयार हैं। घटना की सूचना न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस को दी गई, जिसने घायल भारतीय छात्र को वेस्टमीड अस्पताल पहुंचाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके सिर, पैर और बांह पर काफी चोटें आईं। घटना के बारे में बात करते हुए, एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस को बताया गया है कि एक 23 वर्षीय व्यक्ति रूपर्ट स्ट्रीट पर टहल रहा था, तभी लोहे के रॉड से लैस चार लोगों ने उस पर हमला कर दिया। 23 वर्षीय व्यक्ति को कथित तौर पर लात मारी गई। ग्रे सेडान में सवार होकर चार लोगों के वहां से चले जाने से पहले मुक्का मारा गया और लोहे के रॉड से बार-बार मारा गया।

इंसान और रोबोट दोनों मिलकर करेंगे बेहतर भविष्य की प्लानिंग

-एआई ने इंसानों के खिलाफ कभी भी बगावत नहीं करने का दिलाया भरोसा

जेनेवा । स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई दुनिया की पहली स्मार्ट रोबोट्स प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक बात तो तय हो गई है कि अब इंसान और रोबोट्स दोनों मिलकर बेहतर भविष्य की प्लानिंग करेंगे। प्रेस कांफ्रेंस में रोबोट्स ने बताया है कि वे इंसानों के खिलाफ कभी बगावत नहीं करेंगे। गौरतलब है कि इस प्रेस कांफ्रेंस में शामिल सभी रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई से ऑपरेट होने वाले थे। प्रेस कांफ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए 51 रोबोट करीब 3000 एक्सपर्ट्स के साथ आए थे। उन्होंने कई तरह के सवालों के जवाब दिए। रोबोट्स ने इंसानों द्वारा अलग-अलग मुद्दों पर पूछे गए सभी सवालों के जवाब दिए। इस दौरान सोफिया नाम की रोबोट ने कहा कि हम दुनिया को इंसानों से बेहतर तरीके से चला सकते हैं। हमारे अंदर इंसानों की तरह भावनाएं नहीं हैं। हम फैक्ट्स के आधार पर मजबूत फैसले ले सकते हैं। जब रोबोट्स से यह पूछा गया कि क्या वे इंसानों के खिलाफ बगावत करेंगे? इस पर सोफ़िया नाम की रोबोट ने कहा कि आपको ऐसा क्यों लगता है। मुझे बनाने वालों ने मेरे साथ हमेशा अच्छा व्यवहार किया है। मैं इससे खुश हूं। इसके बाद जब उससे पूछा गया कि क्या तुम्हारी वजह से लोगों की नौकरियों को खतरा है? तो इसके जवाब में उसने कहा कि मैं लोगों के साथ मिलकर काम करूंगी, मेरी वजह से उनकी नौकरियों को कोई खतरा नहीं होगा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जब रोबोट्स से पूछा गया कि जिस एआई तकनीक की मदद से तुम्हें तैयार किया गया है, उस पर नियम बनाए जाने चाहिए? इसके जवाब में एक रोबोट ने बताया कि आने वाले समय में एआई के फील्ड में होने वाली डेवलपमेंट्स को लेकर हमें सतर्क रहने की जरूरत है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। दूसरे रोबोट ने एआई के खतरों को सिरे से खारिज कर दिया। उसने कहा एआई को पाबंदियों की नहीं, बल्कि अवसर की जरूरत है। हम इंसानों के साथ दुनिया को बेहतर भविष्य दे सकते हैं। जेनेवा में आयोजित रोबोट्स की प्रेस कांफ्रेंस जलवायु परिवर्तन, भुखमरी और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों को हल करने में रोबोट के इस्तेमाल पर विचार करने के मकसद से की गई थी। हालांकि, इससे पहले स्टीफन हॉकिंग, बिल गेट्स, एलन मस्क, सुंदर पिचाई जैसे लीजेंड्स ने इसे लेकर जागरूक रहने की सलाह दी है।

कोसोवो की संसद में सत्ताधारी और विरोधी दल के सदस्य आपस में भिड़ गये।

ब्रिटेन में 18 करोड वर्ष पुराना समुद्री ड्रैगन का कंकाल मिला

लंदन । ब्रिटेन में 18 करोड वर्ष पुराने समुद्री ड्रैगन का कंकाल मिला है। इसकी लंबाई 32 फुट है। खोपड़ी का वजन लगभग 1 टन का है। फरवरी 2021 में लीसेस्टरशायर के निकट रटलैंड वाटर नेचर रिजर्व की नियमित जल निकासी के दौरान, प्राकृतिक संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ता ने यह कंकाल देखा। इसके बाद खोज शुरू की। यह समुद्री ड्रैगन 18 करोड़ वर्ष पुराना बताया जा रहा है। समुद्र में इतने भारी ड्रैगन रहते थे।

आसमान में गरजा राफेल, परेड में गूंजा सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा.. फ्रांस में भारत का डंका

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस की धरती से लेकर आसमान तक हिंद की धूम नजर आई। जहां एक तरफ भारतीय सैन्य दल ने 'सारे जहां से अच्छा' की धुन पर मार्च किया, जबकि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के राफेल लड़ाकू विमानों ने बैस्टिल डे परेड में चैंप्स-एलिसीज़ के ऊपर फ्लाईपास्ट में भाग लिया। पंजाब रेजिमेंट ने मार्च का नेतृत्व किया और उसके बाद भारतीय नौसेना और फिर वायु सेना ने 1789 में बैस्टिल के ऐतिहासिक पतन को चिह्नित करने के लिए वार्षिक परेड में अपनी छाप छोड़ी। पंजाब रेजिमेंट का नेतृत्व कैप्टन अमन जगताप ने किया, जो भारतीय नौसेना के थे। दल का नेतृत्व कमांडर व्रत बघेल ने किया। भारतीय वायु सेना दल की कमान स्क्वाड्रन लीडर सिंधु रेड्डी ने संभाली।

1789 में बैस्टिल के ऐतिहासिक पतन की याद में वार्षिक परेड में पंजाब रेजिमेंट ने मार्च शुरू किया, जिसके बाद भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने मार्च किया। कैप्टन अमन जगताप पंजाब रेजिमेंट के प्रभारी थे, जबकि कमांडर व्रत बघेल भारतीय नौसैनिक उपस्थिति के प्रभारी थे। स्क्वाड्रन लीडर सिंधु रेड्डी भारतीय वायु सेना टीम के प्रभारी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने चैंप्स-एलिसीज़ में मार्च करते हुए भारतीय दल की सलामी ली।

भारत के लिए सुखद क्षण में भारतीय वायुसेना के राफेल चैंप्स-एलिसीज़ के आसमान में छा गए, जिससे दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। शुक्रवार को बैस्टिल डे सैन्य परेड में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रॉन शीर्ष पर रहीं।

पीएम मोदी को फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से नवाजा गया

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से नवाजा। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मोदी के दो दिवसीय यात्रा पर पेरिस पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस में शुक्रवार को विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां 'एलिसी पैलेस' (राष्ट्रपति आवास) में आयोजित पुरस्कार समारोह की तस्वीरें ट्विटर पर साझा कीं और लिखा, '' साझेदारी की भावना का प्रतीक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के सर्वोच्च पुरस्कार 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से नवाजा।'' विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '' प्रधानमंत्री ने भारत के लोगों की ओर से इस अद्वितीय सम्मान के लिए राष्ट्रपति मैक्रों का आभार व्यक्त किया।'' इससे पहले, फ्रांस के राष्ट्रपति और प्रथम महिला ब्रिजिट मैक्रों ने एलिसी पैलेस में प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को एक कला केंद्र में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया।

अमेरिका ने भारत को लेकर चीन को बड़ा झटका दिया

- अमेरिकी संसद की एक समिति ने अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाला प्रस्ताव पारित किया

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत को लेकर चीन को बड़ा झटका दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के कुछ दिन बाद ही अमेरिकी संसद की एक समिति ने अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाला प्रस्ताव पारित किया है। यह प्रस्ताव सांसद जेफ मर्कले, बिल हेगेर्टी, टिम काइने और क्रिस वान होलेन ने पेश किया था। चीन भारत के अरुणाचल प्रदेश को अपना बताता रहता है और अक्सर उसके सैनिक भारतीय इलाके में घुसपैठ की कोशिश करते रहते हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी संसद ने इसके जरिए चीनी दादागिरी के खिलाफ बड़ा संदेश दिया है। मीडिया को जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रस्ताव में इस बात की पुनड्ड पुष्टि की गई है कि अमेरिका मैकमोहन लाइन को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) और भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के तौर पर मान्यता देता है। इससे चीन का यह दावा कमजोर होता है कि अरुणाचल का अधिकतर हिस्सा पीआरसी का है। इस प्रस्ताव को अब मतदान के लिए सीनेट में पेश किया जाएगा।

सांसद मर्कले ने कहा कि स्वतंत्रता और नियम आधारित व्यवस्था का समर्थन करने वाले अमेरिकी मूल्य दुनियाभर में हमारे सभी कार्यों और संबंधों के केंद्र में होने चाहिए। खासतौर पर तब, जब पीआरसी सरकार एक वैकल्पिक दृष्टिकोण अपना रही है। मर्कले चीन से जुड़े मामलों पर अमेरिकी संसद की एक समिति के सह-अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा उक्त प्रस्ताव को परित करना इस बात को और पुष्ट करता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न हिस्सा मानता है, न कि चीन का। इसके साथ ही यह क्षेत्र और समान विचारधारा वाले अंतरराष्ट्रीय साझेदारों को मजबूत सहयोग प्रदान करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सांसद कॉर्नें ने कहा कि भारत और चीन के बीच साझा सीमा को लेकर तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिका को स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत का समर्थन करके लोकतंत्र की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े रहना होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव इस बात की पुष्टि करता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत के अभिन्न हिस्से के तौर पर मान्यता देता है और मैं अपने साथियों से इसे बिना विलंब पारित करते का अनुरोध करता हूं।

जून 2023 पृथ्वी पर अब तक का सबसे गर्म महीना !

बीजिंग (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। शुक्रवार को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के जलवायु विश्लेषण में पृथ्वी पर जून 2023 को अब तक का सबसे गर्म महीना बताया है। जून 2023 में औसत वैश्विक तापमान ने जून 2020 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। हालांकि (0.13 डिग्री सेल्सियस) अंतर काफी कम था। जून में औसत वैश्विक सतह (भूमि और महासागर) का तापमान औसत से 1.05 डिग्री सेल्सियस अधिक था, रिकॉर्ड के अनुसार जून 2023 को पृथ्वी का सबसे गर्म महीना बताया गया। एनओएए विश्लेषण से साफ होता है कि साल 2023 के सबसे गर्म 10 वर्षों में शुमार होने की लगभग 100 प्रतिशत संभावना है। वहीं, 97 प्रतिशत संभावना है कि यह शीर्ष पांच वर्षों में शामिल हो। नासा की रिपोर्ट से पता चलता है कि जून महीना अब तक का सबसे गर्म महीना था।

नासा ने ट्विटर पर लिखा, आंकड़ों से पता चलता है कि जून महीना अब तक का सबसे गर्म माह था। हमने प्रत्यक्ष रूप से इसके खराब प्रभाव को देखा है। एनओएए वैज्ञानिकों ने पाया कि लगातार तीसरे महीने वैश्विक महासागर की सतह का तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया क्योंकि मई में उभरी कमजोर अल नीनो स्थिति जून में भी मजबूत रही। इसके अलावा जून 2023 ने जलवायु रिकॉर्ड में किसी भी महीने के मुकाबले अपना उच्चतम स?तर बनाया।

2023 की पहली छमाही को अब तक के रिकॉर्ड में तीसरा सबसे गर्म वर्ष माना गया है, जिसमें वैश्विक तापमान 20वीं सदी के औसत 13.5 डिग्री सेल्सियस से 1.01 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वैश्विक स्तर पर, जून 2023 में सबसे कम समुद्री बर्फ कवरेज (सीमा) देखी गई। यह मुख्य रूप से अंटार्कटिक में कम समुद्री बर्फ का परिणाम था, जो लगातार दूसरे महीने हुआ। जून 2023 में पृथ्वी की वैश्विक समुद्री बर्फ की मात्रा जून 2019 के पिछले रिकॉर्ड के निचले स्तर से 330,000 वर्ग मील कम थी। इससे पहले यूरोप की कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने भी अपने रिकॉर्ड में जून 2023 को सबसे गर्म महीना बताया था। इसमें कहा गया है कि वैश्विक महासागर में रिकॉर्ड किए गए समुद्री सतह का तापमान अधिक देखा गया।

इटली में कोर्ट ने यौन उत्पीड़न को लेकर सुनाया अजीब फैसला, 10 सेकेंड से कम छुआ तो नहीं माना जाएगा अपराध, गुस्साए लोगों ने किया विरोध

(एजेंसी)। इटली में इन दिनों अलग ही माहौल बना हुआ है। यहां एक कोर्ट ने अजीब फैसला सुनाया है जिसके बाद से सोशल मीडिया पर इस फैसले का विरोध होने लगा है। यहां एक जज ने चौंकाने वाला फैसला किया है। इस फैसले के बाद स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध शुरू करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया है।

दरअसल एक जज ने ऐसा चौंकाने वाला फैसला दिया है जिसमें कहा गया है कि एक स्कूल के केयरटेकर ने किशोरी के साथ दुर्व्यवहार इतनी देर तक नहीं किया कि उसे आपारधिक श्रेणी में माना जाए। इस फैसले के बाद इटली में लोगों ने जमकर विरोध करना शुरू कर दिया है। इटली की महिलाएं और पुरुष विरोध करते हुए 10 सेकंड के टाइमर के साथ अपने स्तनों और छाती को टटोलते हुए कैमरे की ओर देखते हुए वीडियो अपलोड कर रहे है।

ये था मामला

रोम हाई स्कूल के केयरटेकर 66 वर्षीय एंटोनियो अवोला ने स्कूल की सीढ़ी पर 17 वर्षीय एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की थी। ये मामला पिछले साल का था। इस मामले में खुद केयरटेकर ने भी स्वीकार किया और ये भी कहा कि वो सिर्फ मजाक में छेड़छाड़ कर रहा था। इस घटना के बाद केयरटेकर ने बच्ची को कहा कि कि वो मजाक कर रहा था। बता दें कि घटना के बाद बच्ची काफी शॉक में थी।

कोर्ट ने किया आरोपी को बरी

जानकारी के मुताबिक इस घटना में आरोपी व्यक्ति के खिलाफ रोमन सरकारी अभियोजकों ने लगभग चार साल की जेल की सजा और यौन उत्पीड़न की सजा की मांग की थी, लेकिन न्यायाधीश ने इस सप्ताह कार्यवाहक को सभी आरोपों से बरी कर दिया। आरोपी को बरी किए जाने के बाद से इटली में जनता के बीच काफी विरोध है। आरोपी को बरी करने से पहले न्यायाधीश ने तर्क दिया कि महिला को छूना ÷अपराध नहीं है÷ क्योंकि यह 10 सेकंड से अधिक समय तक नहीं था। इस फैसले के बाद इटालियन अभिनेता पाओलो कैमिली ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपने वीडियो पोस्ट किए। कई लोगों का कहना है कि पुरुषों को महिलाओं को छूने का अधिकार नहीं है, चाहे ये पांच सेकेंड के लिए हो या 10 सेकेंड के लिए हो।

पीड़िता ने दिया बयान

इस घटना की पीड़िता ने भी न्यायालय के फैसले के बाद बयान दिया है। पीड़िता ने कहा कि अब उसे डर है कि अगर लड़कियों और महिलाओं पर इस तरह के हमले हुए तो न्यायाधीश उन्हें आगे आने से रोक देंगे।

उत्तर कोरिया के नेता किम ने देश की परमाणु युद्ध क्षमताओं को और बढ़ाने का किया संकल्प

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अमेरिका की सरजमीं पर हमला करने के लिए बनाई गई नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के दूसरे परीक्षण का निरीक्षण किया तथा देश की परमाणु युद्ध क्षमताओं को और बढ़ाने का संकल्प लिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। किम के बयान से स्पष्ट है कि अमेरिका द्वारा अपने सहयोगी दक्षिण कोरिया के प्रति सुरक्षा प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए हाल में उठाये गये कदमों के जवाब में उत्तर कोरिया अपने शस्त्रागार का विस्तार करने के लिए हथियार परीक्षण गतिविधियां तेज करेगा। बृहस्पतिवार को एक प्रकार से उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका ने कोरियाई प्रायद्वीप में संयुक्त वायुसेना अभ्यास के दौरान अपने और दक्षिण कोरिया के जंगी विमानों के साथ परमाणु क्षमता वाले बी-52 बम वर्षक विमान को उड़ाया। कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा, '' (किम ने) एक बार फिर स्पष्ट किया कि और विकसित, प्रभावी एवं भरोसेमंद हथियार प्रणाली के विकास को लगातार तेज करने के (उत्तर कोरिया के) रणनीतिक रूख और नीति में कोई बदलाव नहीं आएगा।''

केंद्र सरकार भारत-चीन सीमा पर दूरदराज के इलाकों में निशुल्क डिश सेवा उपलब्ध करायेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि केंद्र भारत-चीन सीमा पर गांवों में निशुल्क दूरदर्शन डीटीएच कनेक्शन उपलब्ध करायेगा। उन्होंने कहा कि इन दूरदराज के गांवों के निवासियों के लिए बेहतर मोबाइल संपर्क (कनेक्टिविटी) जल्द ही सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकार इन दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर संपर्क सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने लेह से लगभग 211 किलोमीटर दूर लद्दाख के करजोक गांव में ग्रामीणों के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों में 1.5 लाख निशुल्क 'फ्री डिश' कनेक्शन वितरित करने का प्रस्ताव दिया है। ठाकुर ने कहा कि सरकार सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बेहतर डिजिटल संपर्क और सड़क संपर्क, पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, खेल के बुनियादी ढांचे और बेहतर जल जीवन मिशन की उनकी मांगों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जायेगा। सरकार के जीवंत ग्राम कार्यक्रम के तहत ठाकुर लेह-लद्दाख के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान वह करजोक गांव में रुके। उन्होंने केंद्र/राज्य सरकार की योजनाओं और खेल उपकरणों के वितरण की समीक्षा के लिए केंद्र शासित और जिला अधिकारियों के साथ बैठक की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने भारत-चीन सीमा पर समुद्र तल से लगभग 15,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित करजोक पलटन चौकी पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) जवानों से भी बातचीत की।

सरकार की विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं की पहुंच का आकलन करने और भारत-चीन सीमा पर दूरदराज के गांवों में निवासियों के समक्ष चुनौतियों के बारे में जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से, केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बातचीत की। अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों की एक टीम के साथ, ठाकुर ने खारनक और समद में स्थानीय ग्रामीणों के साथ बातचीत की और उनकी चिंताओं और आकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली। ठाकुर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सरकार सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी आवश्यक मदद और संसाधन उपलब्ध करायेगी।

यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स में आलिया भट्ट की एंट्री

बॉलीवुड की सुपरस्टार अभिनेत्री आलिया भट्ट को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। खबरों के मुताबिक, अभिनेत्री जल्द ही यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनने वाली है। इतना ही नहीं सामने आई जानकारी के मुताबिक आलिया फिल्म में लीड रोल निभाएगी। बता दें, आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। ये विस्तार एक बड़ी बजट एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ होने वाला है, जिसमें आलिया मुख्य भूमिका में होगी। इसी के साथ अभिनेत्री यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की मुख्य भूमिका में पहली महिला जासूस बनेगी। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने पिंकविला को बताया, 'आलिया भट्ट आज के समय में सबसे बड़ी भीड़ खींचने वालों में से एक हैं और वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में सलमान खान, ऋतिक रोशन और शाहरुख खान की तरह एक सुपर-एजेंट की भूमिका निभाएंगी। आदित्य चोपड़ा और टीम ने आलिया भट्ट के साथ एक महाकाव्य महिला प्रधान जासूसी फिल्म की योजना बनाई है, जो अभिनेत्री को उसके शिखर पर पहुंचा देगी।' यशराज फिल्म्स ने साल 2012 में फिल्म 'एक था टाइगर' से अपने स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत की थी। फिल्म में सलमान खान और कैटरीना कैफ मुख्य भूमिका में थे। दोनों की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इसी के साथ यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स को बॉलीवुड के एक खास जगह मिल गयी। इसके बाद टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान के साथ यशराज का स्पाई यूनिवर्स आगे बढ़ा और बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्मों का डंका बजाया। पठान की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद अब यशराज फिल्म के मालिक आदित्य चोपड़ा स्पाई यूनिवर्स को और बड़ा करने की तैयारी में जुट गए हैं। वो आलिया भट्ट के साथ एक बड़ी बजट एक्शन फिल्म बनाने वाले हैं, जो अगले साल फ्लोर पर जायेगी।

सुनील शेट्टी को शुरुआत में करना पड़ा था बेहद संघर्ष

अभिनेता सुनील शेट्टी को इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों में बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ा। शेट्टी ने साल 1992 में आई फिल्म बलवान से डेब्यू किया था। हालांकि, उन्हें लोकप्रियता साल 1994 में आई फिल्म मोहरा से मिली। उसी साल आई उनकी गोपी किशन भी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। शुरुआत में आलोचकों से भी उन्हें काफी आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी थी। इन चीजों से केवल वही नहीं बल्कि उनकी फैमिली पर भी असर पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि मैंने ये पहले से ही तय कर लिया था कि मैं अपने बच्चों को भारतीय स्कूल में नहीं पढ़ाउंगा। मैं अपने बच्चों को अमेरिकन बोर्ड के स्कूल में पढ़ाना चाहता था। मैं ऐसी फैकल्टी चाहता था जो कि अमेरिकन हो। इसके पीछे वजह ये है कि मैं नहीं चाहता था कि मेरे बच्चों को स्पेशल फील कराया जाए कि वो सिलेब्रिटी के बच्चे हैं या उन्हें बताया जाए कि वे किसके बच्चे हैं। मैं उन्हें एक ऐसी दुनिया में जाने देना चाहता था जहां इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कौन हैं। मुझे लगता है कि ये काम कर गया। मुझे याद है मेरे पिताजी मुझसे कहते थे कि इसके लिए बहुत पैसे खर्च करने होंगे।

उन्होंने बेटी आथिया के बारे में बातें करते हुए उन्होंने कहा, हम आथिया को लेकर एडमिशन के लिए अटलांटा गए और वहां उन्होंने कॉलेज देखा। सब कुछ हो गया और उन्हें पसंद भी आया। उनका एडमिशन हो गया और जब हम वापस आ रहे थे, तब उसने मुझसे एयरपोर्ट पर कहा- पापा, मैं ये करके खुश नहीं हूं। फिर मैंने उससे पूछा कि फिर आपको क्या करना है। इस पर आथिया ने मुझसे कहा- मैं फिल्मों में काम करना चाहती हूं। मैंने कहा कि ये अच्छी बात है लेकिन क्या अपनी असफलताओं को स्वीकार कर पाओगे? क्योंकि ये बहुत तनावपूर्ण होता है।

कार्तिक आर्यन ने शुरू की फिल्म 'चंदू चैंपियन' की शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन बैक टू बैक हिट फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दे रहे है। कार्तिक की हालिया रिलीज फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' भी हिट साबित हुई है। हाल ही में कार्तिक ने अपनी अगली फिल्म की घोषणा भी की है। इस फिल्म का नाम 'चंदू चैंपियन' है। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित किया जाएगा। 'चंदू चैंपियन' का निर्देशन कबीर खान द्वारा किया जा रहा है। वहीं अब कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन की शूटिंग शुरू कर दी है। कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। कार्तिक ने एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में कार्तिक को 'चंदू चैंपियन' के पहले टेक के लिए क्लैपबोर्ड की तरफ इशारा करते देखा जा सकता है, जिसे कबीर खान ने पकड़ा हुआ है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'शुभारंभ। और मेरे करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्रा शुरू होती है... कैप्टन कबीर खान के साथ चंदू चैंपियन। फिल्म चंदू चैंपियन की कहानी एक खिलाड़ी की असाधारण असल जीवन की कहानी है, जिसमें उसकी कभी हार न मानने की भावना को दर्शाया गया हैं। कार्तिक इस फिल्म में चंदू का किरदार निभाएंगे।फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

द ट्रायल में वकील नोयोनिका की भूमिका में नजर आयेंगी काजोल

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल जल्द ही अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज द ट्रायल - प्यार, कानून, धोखा में एक वकील नोयोनिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित द ट्रायल-प्यार, कानून, धोखा का सुपर्ण एस. वर्मा ने निर्देशन किया है। इसमें शीबा चड्ढा, जिशु सेनगुप्ता, एली खान, कुब्रा सैत और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सीरीज में, नोयोनिका अपने सपने का पीछा करती है और अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताती है और काम को मैनेज करती है। कजोल ने कहा व्यस्त कार्यक्रम के बाद भी उनके पास एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम है, जो उन्हें अपने काम में एक्सीलेंस हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। काजोल एक्ट्रेस काजोल ने कहा ?कि मेरे पास सबसे अद्भुत परिवार है, जो मेरा सपोर्ट करता है। वास्तव में, मेरी सास उन पहले लोगों में से एक थीं जिन्होंने मुझसे कहा कि नीसा के जन्म के बाद मुझे काम करना शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, उसकी चिंता मत करो और हम तुम्हारे लिए हैं। मेरे पति अपना शेड्यूल मेरे अनुसार तैयार करते हैं। इसलिए, अगर मुझे कोई आउटडोर शूट करना है, तो वह सुनिश्चित करते थे कि उनके पास कोई शूट न हो और इसके विपरीत, आप जानते हैं कि हम एक-दूसरे के लिए ऐसा करते हैं। काम और परिवार के बीच एक हेल्दी बैलेंस बनाना इन दिनों एक जरूरी स्किल है।

उन्होंने आगे कहा कि जहां तक काम करने और अपने बच्चों से दूर समय बिताने का सवाल है, मेरी मां हमेशा इस बात पर जोर देती थीं कि क्वालिटी हमेशा क्वांटिटी से अधिक महत्वपूर्ण होती है। भले ही आप दिन में 10 मिनट भी बिताते हैं, वह समय अपने बच्चों के साथ बिना किसी ध्यान भटकाए, बिना हाथ में फोन या टीवी चालू किए, बस आप टाइम बिताए। मुझे लगता है कि एक माता-पिता के रूप में यह सबसे अच्छी बात है जो मैं कर सकती हूं।

इतिहास शिक्षक की भूमिका में नजर आये वरुण धवन

साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित बवाल, 21 जुलाई को प्रदर्शित होगी। इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। बवाल का प्रीमियर पेरिस के प्रतिष्ठित सैले गुस्ताव-एफिल थिएटर में होगा। इसके साथ ही यह आयोजन स्थल पर प्रदर्शित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन जाएगी। फिल्म में वरुण धवन एक इतिहास शिक्षक की भूमिका निभाते हैं जो छात्रों को गलत इतिहास पढ़ाता है, जो बाद में बवाल का कारण बनता है। जान्हवी कपूर और वरुण पहली बार प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए एक साथ आए। इस फिल्म के ट्रेलर में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के बीच दिखाई गई लव स्टोरी को वर्ल्ड वॉर 2 से कनेक्ट किया गया है। जो अपने आप में काफी दिलचस्प है। दिखाए गए ट्रेलर में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के बीच रोमांटिक स्टोरी आगे जाकर एक बवाल का रूप लेती है। यही इस फिल्म की कहानी है। फिल्म का कॉन्सेप्ट काफी दिलचस्प और अलग है। जो दर्शकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। गौरतलब है कि फिल्म बवाल के निर्देशक नीतेश तिवारी हैं। जो इससे पहले आमिर खान के साथ दंगल और सुशांत सिंह राजपूत स्टारर छिछोरे जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म दे चुके हैं। अब उनकी ये फिल्म भी काफी दिलचस्प और अलग सी कहानी लेकर आ रही है। जिसे देखने के लिए फैंस भी एक्साइटेड हैं। साथ ही फिल्म में पहली बार वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की जोड़ी बन रही है।

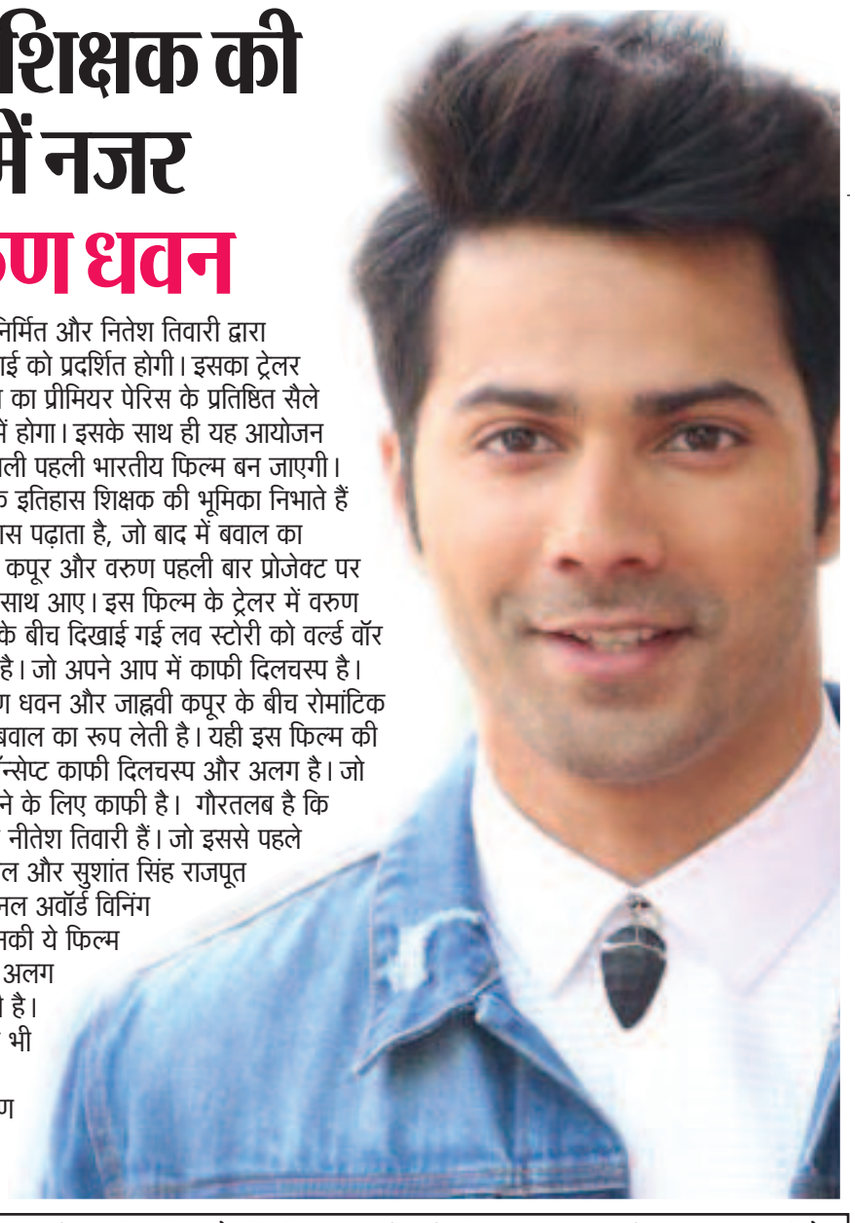

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011